संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-19 ❖ मुंबई ❖ रविवार 01 से 07 मई 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-
RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

पेज 3

शिवसेना सांसद शेवाले पर युवती ने लगाया दुष्कर्म का आरोप, शिकायत दर्ज

पेज 5

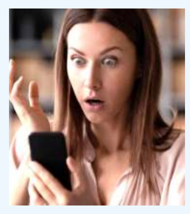

सावधान: अगर आपके मोबाइल में भी हैं ये चार एप तो तुरंत हटा दें, वरना पलक झपकते खाली हो सकता है बैंक खाता

पेज 7

कपूर फैमिली जैसा स्टारडम चाहते हैं चिरंजीवी

पेज 8

गौ हत्या बंध हो वो ही सुखी भारत के निर्माण का शॉर्टकट हैं : गोस्वामी द्रुमिलकुमार जी महाराज

एक नजर

सेना प्रमुख जनरल पांडे संभालेंगे पदभार

नई दिल्ली। जनरल मनोज पांडे सेना प्रमुख और लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू सेना उप प्रमुख का पद पहली मई को संभालेंगे। जनरल एमएम नरवणे 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनकी जगह जनरल पांडे को थलसेना अध्यक्ष बनाया गया है। जनरल पांडे की जगह ले. जनरल राजू को नया सेना उप प्रमुख नियुक्त किया गया है। दोनों पहली मई को पदभार संभालेंगे। जनरल राजू की नियुक्ति आज ही हुई है। नई जिम्मेदारी दिए जाने से पहले ले. जनरल राजू सैन्य संचालन महानिदेशक की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इसी दौरान पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सेना के साथ गतिरोध उत्पन्न हुआ।

जेल में घर का बना भोजन खाने की राणा दंपति की अर्जी खारिज

मुंबई। मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने जेल में घर का बना भोजन मंगाने की अनुमति देने का अनुरोध करने वाली अमरावती की निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके पति एवं विधायक रवि राणा की याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। दंपति को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने के आह्वान के बाद गत शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, राणा दंपति ने अपनी योजना रद्द कर दी थी लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और उन पर राजद्रोह तथा "विभिन्न समूहों के बीच द्वेष को बढ़ावा" देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया। वे अभी न्यायिक हिरासत में हैं।

तेज प्रताप यादव ने पत्रकारों को मानहानि का नोटिस भेजा

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने शुक्रवार को बिहार के कई पत्रकारों को कानूनी नोटिस भेजते हुए उन पर तथ्यों को 'तोड़ मरोड़कर' पेश करने का आरोप लगाया तथा उनसे 50 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति मांगी है। राजद नेता ने पत्रकारों को भेजे मानहानि के नोटिस को ट्वीटर पर साझा किया है। नोटिस में नामजद पत्रकारों में कई निजी समाचार चैनलों, एक निजी समाचार एजेंसी और ऑनलाइन पोर्टल के स्थानीय रिपोर्टर शामिल हैं।

अमेरिकी समन्वयक दलाई लामा से मिलने भारत आएंगी

नई दिल्ली। तिब्बत मामलों की अमेरिका की विशेष समन्वयक उजरा जेया अगले महीने धर्मशाला में दलाई लामा और निर्वासित तिब्बत सरकार के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए भारत आएंगी। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नागरिक सुरक्षा, लोकतंत्र और मानवाधिकार मामलों की की उप मंत्री जेया तिब्बती मुद्दों से संबंधित बाइडन प्रशासन की नीतियों, कार्यक्रमों और परियोजनाओं का समन्वय करती रही हैं। सूत्रों ने कहा कि उनके 18 से 19 मई तक हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला की यात्रा करने की उम्मीद है। अमेरिका सरकार ने हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इस यात्रा की घोषणा नहीं की है।

मई में बरसेगी 48 डिग्री की आग....

संपूर्ण उत्तर हिंदुस्थान में रहेगी झुलसाने वाली तपन

महाराष्ट्र पर भी पड़ेगा गर्मी का जोरदार असर

मुंबई। मुंबई सहित पूरे देश में इन दिनों आसमान से आग बरस रही है। लोग गर्मी से बेहाल हो रहे हैं और फिलहाल उन्हें उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। उस पर आशंका जताई जा रही है कि मई महीने में आसमान से आग बरसेगी। पूरा हिंदुस्थान झुलसानेवाली गर्मी से तपेगा और इससे मुंबई सहित महाराष्ट्र भी अछूता नहीं रहेगा। इस बारे में मौसम विभाग का अनुमान है कि मई के महीने में देश के कई हिस्सों में पारा ४८ डिग्री तक पहुंच सकता है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, हिंदुस्थान गर्मी के भीषण दौर से गुजर रहा है। देश के करीब ७० प्रतिशत हिस्से की ८० फीसदी आबादी भीषण गर्मी से झुलस रही है। आने वाले समय में गर्मी और परेशानी बढ़ाएगी। मई में तापमान ४८ डिग्री तक पहुंच सकता है। इसके साथ ही १० राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और झारखंड के लिए अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को कहा है कि २९ अप्रैल से १ मई तक पश्चिमी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी यूपी, मप्र व झारखंड में प्रचंड गर्मी पड़ेगी। इन राज्यों के लिए विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। यह अगले २४ से ४८ घंटे तक ऐसी ही बनी रहेगी। हिंदुस्थान के बड़े हिस्से में अगले पांच दिनों तक लू का प्रकोप रहेगा। आईएमडी ने कहा कि मई के पहले सप्ताह तक हालात गंभीर बने रहने की आशंका है। हालांकि इसके बाद दूसरे सप्ताह से बारिश होने का अनुमान है, जिससे लोगों को गर्मी और लू के थपेड़ों से राहत मिल सकती है।

महाराष्ट्र में टूटा अप्रैल का रिकॉर्ड

महाराष्ट्र में भी आसमान से आग बरस रही है। अप्रैल की इस हीट वेव ने महाराष्ट्र में रिकॉर्ड तोड़ दिया है। आईएमडी के मुताबिक अन्य राज्यों के अलावा खास तौर से महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में अगले चार दिन तापमान और बढ़ेगा। विदर्भ के चार शहरों अकोला, चंद्रपुर, वर्धा, यवतमाल में अगले चार दिनों तक जरूरत न हो तो घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। मई के मध्य में जितनी गर्मी पड़ती थी, उतनी अप्रैल महीने में ही पड़ रही है। विदर्भ के अलावा मराठवाड़ा में भी इसी तरह तेज तापमान और गर्मी बढ़ने की आशंका जताई गई है। मुंबई का तापमान भी अगले कुछ दिनों तक ३७ या इससे ज्यादा रहनेवाला है।

ज्यादातर जिले ४० के पार

राज्य के ज्यादातर जिलों में तापमान ४० के पार पहुंच गया है। विदर्भ की बात करें तो नागपुर में तापमान ४४ डिग्री सेल्सियस, यवतमाल में तापमान में ४५ डिग्री सेल्सियस, अमरावती में ४४ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चंद्रपुर ने तो रिकॉर्ड ही तोड़ दिया। यहां तापमान ४६ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। २ मई तक विदर्भ में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक के.एस. होसालिकर ने महाराष्ट्र और देश के मध्य भाग में पांच दिनों तक बेहद ज्यादा गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी की है। खास कर दोपहर के वक्त घर या ऑफिस में ही रहने को कहा गया है।

आदित्य ठाकरे की संकल्पना

मीठी नदी के किनारे की झोपड़पट्टी में मिशन शून्य कचरा

- गीले कचरे से बायोगैस
- प्लास्टिक होगी रीसायकल

मुंबई। महानगर मुंबई की मशहूर मीठी नदी के किनारे बसे झोपड़ों में से निकलनेवाले कचरे को पूरी तरह से रीसायकल करने की योजना मनपा बना रही है। मनपा यहां शून्य कचरा अभियान चलाएगी। लोगों से कचरा यहां-वहां फेंकने की बजाय मनपा उनसे रीसायकल के लिए जमा करने की अपील करेगी और बाद में यहां ट्रीटमेंट प्लांट में गीले कचरे से खाद बनाएगी। वहीं प्लास्टिक कचरे को रीसायकल कर अन्य उपयोगी वस्तुओं का निर्माण करेगी। यह अभियान पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे की संकल्पना है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए घन कचरा व्यवस्थापन विभाग की प्रमुख मनपा उपायुक्त संगीता हसनाले ने कहा कि मीठी नदी के किनारे झोपड़पट्टी इलाकों में कचरे को एकत्र करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। कचरा संकलन के लिए यूनिट्स बनाए जाएंगे। इस अभियान में सामाजिक संगठन, कॉलेज वालेंटियर आदि मिलकर काम करेंगे। एक भी कचरा लोगों को कहीं और फेंकने नहीं दिया जाएगा। इससे मीठी नदी में कचरा फेंकनेवालों को संख्या शून्य हो जाएगी।

राणा दंपति का हनुमान चालीसा दांव

राज्य सरकार के विरोध में बड़ी साजिश!

मुंबई। निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और विधायक पति रवि राणा की जमानत अर्जी की सुनवाई विशेष न्यायालय ने शनिवार के लिए टाल दी। हालांकि कोर्ट में विशेष सरकारी वकील प्रदीप घरत ने राणा दंपति की जमानत अर्जी का कड़ा विरोध किया है। वहीं मुंबई पुलिस ने न्यायालय में हलफनामा दायर कर दावा किया कि राणा दंपति द्वारा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास के बाहर 'हनुमान चालीसा' पाठ का दांव राज्य सरकार के विरोध में एक 'बड़ी साजिश' थी। राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को हिंदू विरोधी बताने का भाजपाई षड्यंत्र रचा जा रहा था। पुलिस ने हलफनामे में कहा कि हनुमान चालीसा पाठ की योजना का उद्देश्य कानून और व्यवस्था की स्थिति को खराब करना था। साथ ही महाविकास आघाड़ी सरकार को चुनौती देने की भी बड़ी साजिश थी। यह भी दावा किया गया है कि विपक्षी भाजपा व मुख्यमंत्री के राजनीतिक विरोधी उन्हें हिंदू विरोधी साबित करने का माहौल बनाने के साथ यह संदेश देना चाहते हैं कि वे हिंदुओं के हित में काम नहीं कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि राणा दंपति ने २२ अप्रैल को जारी नोटिस पर ध्यान नहीं दिया, जिसमें उनसे मुख्यमंत्री के आवास पर नहीं जाने का अनुरोध किया गया था। इसके बाद राणा दंपति ने जनता के बीच नफरत, दुश्मनी और प्रतिद्वंद्विता की भावना पैदा की और उनके खिलाफ राजद्रोह का गंभीर अपराध दर्ज किया गया। न्यायाधीश आर.एन. रोकडे ने कहा कि उनके पास दूसरे मामले सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हैं। लिहाजा वे शुक्रवार को जमानत आवेदन पर सुनवाई नहीं करेंगे और सुनवाई को शनिवार तक के लिए स्थगित कर दिया था। सरकारी वकील ने कोर्ट में दायर हलफनामा में बताया कि राणा दंपति पर राजद्रोह जैसा गंभीर आरोप है।

रेलवे की तैयारीः कोयले की गाड़ियों को तेज दौड़ाने के लिए यात्री ट्रेनों के 753 फेरे रद्द

देश के कई राज्यों में ब्लैकआउट होने से बचाने के लिए रेलवे युद्ध स्तर पर कार्य कर रहा है। बिजली संयंत्रों के लिए कोयले की कम स्टॉक से निपटने के लिए जहां मालगाड़ी की लदान व रफ्तार बढ़ा दी गई है तो वहीं रेलवे ने कोयले की गाड़ियों की तेज आवाजाही के लिए देशभर में 753 (फेरे) यात्री ट्रेनों को रद्द कर दिया है।देश में गहराते बिजली संकट के बीच कोयले की कमी को देखते हुए रेलवे ने कोयले से लदी मालगाड़ियों की संख्या बढ़ा दी है। इन मालगाड़ियों के परिवहन में किसी तरह का व्यवधान नहीं पड़े इसे देखते हुए अगले एक महीने तक कई रूट पर ट्रेनों को निरस्त कर दिया गया है।

इनमें मेल व एक्सप्रेस ट्रेन की बात करें तो कुल 13 जोड़ी (अप/डाउन) ट्रेन शामिल है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की यह ट्रेन 24 मई तक के लिए निरस्त की गई है।इसी तरह पैसेंजर ट्रेन की बात करें तो कुल 8 जोड़ी ट्रेन निरस्त रहेंगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार कुल 21 जोड़ी ट्रेन अगले महीने तक निरस्त की गई है। फेरे के हिसाब से 753 एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों को निरस्त किया गया है। निरस्त की गई ट्रेन रूट के यात्रियों को मुश्किल का सामना करना पड़ेगा। इन ट्रेनों को इसलिए रद्द किया गया, ताकि थर्मल पावर स्टेशनों को कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

देश को ब्लैक आउट से बचाने के लिए रेलवे ने की तैयारी

- निरस्त ट्रेन -753 (कुल फेरे)
- मेल/एक्सप्रेस ट्रेन-363
- पैसेंजर ट्रेन- 390
- निरस्त की गई कुल मेल/एक्सप्रेस-13 जोड़ी।
- निरस्त की गई कुल पैसेंजर-8 जोड़ी।
- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की ट्रेन 24 मई तक के लिए निरस्त।
- उत्तर रेलवे की ट्रेनों को 8 मई के लिए निरस्त किया गया है।

बुलडोजर बंद, पावर प्लांट शुरू करो

मैंने मोदी सरकार से कहा था कि नफरत का बुलडोजर चलाना बंद करो और देश के पावर प्लांट शुरू करो। आज कोयला और बिजली संकट से पूरे देश में त्राहि-त्राहि मची है। ये संकट छोटे उद्योगों को खत्म कर देगा। -राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करे केंद्र

रेल पटरियों की मरम्मत कर सभी बिजली संयंत्रों तक कोयले की समयबद्ध निर्बाध आपूर्ति सरकार सुनिश्चित करे। कोयले की कमी से देश बिजली के संकट का सामना कर रहा है। -सत्येंद्र जैन, ऊर्जामंत्री दिल्ली

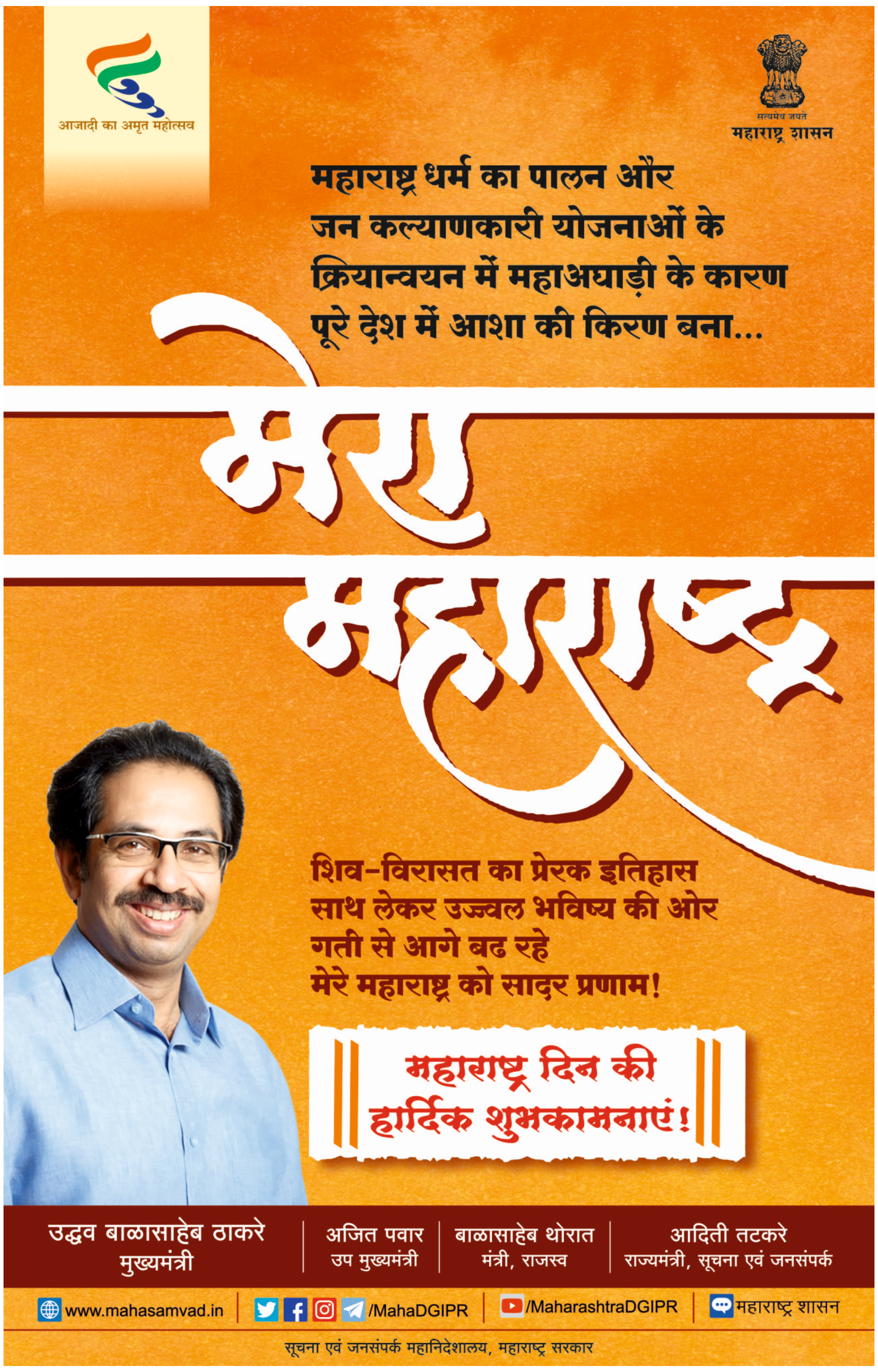

खत्म हो राजद्रोह कानून

राजद्रोह कानून खत्म करने संबंधी याचिकाओं पर और देरी को नामंजूर करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार इस सप्ताह के अंत तक हर हाल में अपना जवाब दाखिल कर दे। 5 मई से इस मामले में आखिरी सुनवाई शुरू होगी और कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि सुनवाई टालने के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। लंबे समय से कहा जा रहा है और सुप्रीम कोर्ट भी अपनी टिप्पणियों में जता चुका है कि औपनिवेशिक काल के इस कानून को अब जारी रखने का कोई तुक नहीं है। बावजूद इसके, किसी न किसी कारण से यह मामला टलता रहा है। दिलचस्प है कि बौद्धिक और न्यायिक हलकों में इस कानून को जारी रखने का कोई आग्रह बचा न रह जाने के बावजूद जितने दिन भी यह कानून है, इसके इस्तेमाल में कोई कमी नहीं देखने में आ रही। जहां जिस पार्टी की सरकार है, वही विरोधियों का मुंह बंद करने के लिए इसका दुरुपयोग कर रही है।

असल में यह कानून है भी ऐसा कि इसे इस मकसद से

इस्तेमाल करने में कोई अड़चन नहीं आती। आईपीसी की धारा 124-ए उन शब्दों और कार्यों के लिए तीन साल से लेकर आजीवन कैद तक की सजा का प्रावधान करती है जो सरकार के खिलाफ नफरत, अवमानना और विद्रोह भड़काने का प्रयास करते हों। एक तो नफरत, अवमानना और विद्रोह जैसे शब्द काफी व्यापक अर्थ रखते हैं। सो, किसी भी तरह के भाषण को इसके अंतर्गत डाला जा सकता है।

दूसरी बात यह है कि गैरजमानती धाराओं के चलते इसकी चपेट में आने वालों का एक लंबे समय के लिए जेल जाना लगभग तय रहता है। अगर अंग्रेजी शासन का संदर्भ याद रखते हुए देखें तो तत्कालीन सरकार के लिए यह कानून बड़े काम की चीज था। अपने लेखों और भाषणों में अंग्रेज सरकार की तीखी आलोचना के अलावा स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ कोई और मामला बनाना मुश्किल था। सो, अंग्रेजी सरकार इसी कानून के सहारे आजादी के योद्धाओं को लंबी अवधि के लिए जेल भेज दिया करती थी। अब स्वतंत्र, लोकतांत्रिक देश में सरकार की आलोचना पर सजा देना वास्तव में कानून का दुरुपयोग ही है। अंतिम सुनवाई की बात करते हुए भी कोर्ट ने यही कहा कि उसे सबसे ज्यादा चिंता इस कानून के दुरुपयोग की है। इसीलिए यह भी जरूरी है कि अब इस चरण में आकर कानून का दुरुपयोग रोकने संबंधी प्रावधान करने जैसी दलीलों के चक्कर में न पड़ा जाए। 1962 के बहुचर्चित केदारनाथ सिंह जजमेंट में इसी उद्देश्य से राजद्रोह मामलों का दायरा कम किया गया था, लेकिन अब तक का अनुभव बताता है कि पुलिस और प्रशासन के रवैये पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। वक्त का तकाजा है कि और देर किए बगैर राजद्रोह (देशद्रोह) कानून को तत्काल समाप्त कर दिया जाए।

जयशंकर की दो टूक

किरीट ए. चावड़ा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिल्ली में हो रहे रायसीना डायलॉग के दौरान मंगलवार को विभिन्न देशों के विदेशमंत्रियों की मौजूदगी में न केवल भारत के रुख

को पूरी बेबाकी से सामने रखा बल्कि यूरोपीय देशों के ढुलमुल रवैये को भी सामने रखने से नहीं चूके।

इस लिहाज से देखा जाए तो रायसीना डायलॉग के इस सातवें सीजन की टाइमिंग बड़ी अहम रही। यह ऐसे समय में हुआ, जब यूक्रेन युद्ध के दुष्परिणाम दुनिया भर में आम लोगों के जीवन को भी प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे में अस्वाभाविक नहीं कि युद्ध पर विभिन्न देशों के स्टैंड को लेकर चलने वाली आपसी रस्साकशी इस कार्यक्रम के जरिए सार्वजनिक विमर्श की शक्ल में बाहर आ गई। अमेरिका और यूरोपीय देशों का शुरू से आग्रह रहा है कि भारत इस युद्ध पर उनके सुर में सुर मिलाते हुए रूस की खुली निंदा करे।

मगर भारत ने राष्ट्रहित और मूल्यों पर आधारित अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की परंपरा कायम रखी। उसने तत्काल युद्ध बंद करके शांति स्थापित करने और बातचीत से विवाद सुलझाने की अपील की, लेकिन रूस या यूक्रेन से अपने संबंधों पर आंच नहीं आने दी। इसी संदर्भ में मंगलवार को रायसीना डायलॉग के इंटरएक्टिव सेशन में जब कुछ यूरोपीय देशों के विदेश मंत्रियों ने अपने सवालों के जरिए भारत को घेरने की कोशिश की तो विदेश मंत्री जयशंकर ने साफ कहा कि 'जब एशिया में कानून आधारित व्यवस्था पर संकट आया था तो यूरोप से हमें सलाह मिली थी कि और ज्यादा व्यापार करें। हम आपको कम से कम ऐसी सलाह तो नहीं दे रहे।' जयशंकर ने नाम भले न लिया हो, उनका स्पष्ट इशारा चीन-भारत सीमा विवाद की ओर था।

उन्होंने अफगानिस्तान की घटनाओं का जिक्र करते हुए याद दिलाया कि वहां साल भर पहले एक तरह से पूरी सिविल सोसाइटी को तालिबान के हाथों मरने के लिए छोड़ दिया गया था। जाहिर है, यूक्रेन युद्ध के बहाने भारत को जगाने की कोशिश कर रहे यूरोपीय देशों को यह बताना जरूरी था कि जागने की जरूरत दरअसल उन्हें है जो एशिया की समस्याओं की ओर से आंखें मूंदे रहते हैं। ध्यान रहे, भारत के रुख में यह सख्ती न तो अचानक आई है और न ही ऐसा है कि पहली बार रायसीना डायलॉग के मंच पर दिखी।

पिछले कुछ हफ्तों से विदेश मंत्री यूरोप को लेकर तीखी टिप्पणियां करते रहे हैं।

वॉशिंग्टन में उन्होंने पिछले दिनों कहा कि जहां तक रूस से ईंधन लेने का सवाल है तो भारत पूरे महीने भर में उससे जितनी ऊर्जा लेता है,

उतनी ऊर्जा यूरोप आधे दिन में ले लेता है। यही नहीं ब्रिटिश विदेश मंत्री के सामने प्रतिबंधों के बारे में उन्होंने कह दिया था कि वे अभियान जैसे लगते हैं। आम तौर पर ऐसे तीखेपन से बचते हैं, लेकिन कूटनीति में भी कभी-कभी आईना दिखाना जरूरी हो जाता है।

क्या टिकाऊ है बुलडोजर का गवर्नेंस मॉडल

गणेश पाण्डेय

इसे लोकप्रियता कहें या चलन, उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ गवर्नेंस का बुलडोजर मॉडल उत्तर प्रदेश की सीमाओं को पार कर चुका है। जिस तरह से इसे जनता के एक वर्ग का समर्थन मिल रहा है, उससे लगता नहीं कि इस पर स्थायी ब्रेक लग सकता है। बेशक, राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी के संदर्भ में राज व्यवस्था के इस औजार पर तत्कालिक ब्रेक लग गया है, लेकिन सुनवाई कर रहे जज ने जिस तरह बचाव पक्ष के वकीलों से सवाल-जवाब किया है, उससे साफ है कि अतिक्रमण की संस्कृति को लेकर न्यायालय भी चिंतित है।

तुर्कमान गेट

गवर्नेंस का बुलडोजर मॉडल दिल्ली के लिए नया नहीं है। यह संयोग ही है कि जिस अप्रैल महीने में जहांगीरपुरी में बुलडोजर चला, उससे ठीक 46 साल पहले तुर्कमान गेट में भी बुलडोजर ने हजारों लोगों को बेघर किया था। बस तारीख का अंतर है। 46 साल पहले की तारीख 16 अप्रैल थी और 2022 की तारीख 21 अप्रैल रही। 46 साल पहले जब बुलडोजर चला था तो उसके पीछे सौंदर्यीकरण का हवाला दिया गया था, जबकि अब के बुलडोजर का घोषित मकसद अतिक्रमण को हटाना रहा।

दिल्ली में चले बुलडोजर और उस पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद बुलडोजर का गवर्नेंस मॉडल बहस के केंद्र में है। हाल के कुछ वर्षों में हमने जिस तरह का मानस तैयार किया है, उसमें किसी भी विषय पर सम्यक विमर्श की गुंजाइश लगातार कम होती जा रही है। निश्चित तौर पर चर्चा के इस मॉडल को बढ़ावा देने में आज की राजनीति का बड़ा योगदान है। चूंकि आज की राजनीति का लक्ष्य सिर्फ सत्ता हासिल करना रह गया है, लिहाजा वह अपना हर कदम अपने आधार वोट बैंक के नजरिए से ही उठाती है।

कहना न होगा कि चाहे उत्तर प्रदेश हो या मध्य प्रदेश या फिर दिल्ली, बुलडोजर के गवर्नेंस मॉडल की आलोचना और प्रशंसा अपने-अपने राजनीतिक नजरिये से हो रही है। इसे लेकर लोगों के बीच दो तरह की साफ विचारधारा दिख रही है। बुलडोजर के गवर्नेंस मॉडल के विरोधियों का मकसद अल्पसंख्यवाद को बढ़ावा देना है तो इस गवर्नेंस मॉडल की समर्थक राजनीति इसे अपराध और अतिक्रमण विरोधी बनाने की कोशिश में है।

उत्तर प्रदेश में हालिया विधानसभा चुनाव में इसके विरोध को मुद्दा बनाने की कोशिश भी हुई। उत्तर प्रदेश के

मुख्यमंत्री को बुलडोजर बाबा तक कहा गया। राज्य में बीजेपी विरोधी राजनीति का लक्ष्य इस बहाने से पार्टी को सत्ता से बाहर करना रहा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इससे लगता है कि बुलडोजर के गवर्नेंस मॉडल को लोगों का समर्थन मिल रहा है। यह समर्थन ही है कि मध्य प्रदेश में भी इसी मॉडल को अपनाया जाने लगा है।

आखिर इस मॉडल को समर्थन क्यों मिल रहा है, विरोधी राजनीतिक ताकतों को इस पर भी सोचना चाहिए। उत्तर प्रदेश में इस शासन मॉडल का इस्तेमाल पुलिस उन अपराधियों के खिलाफ खुलेआम करने लगी है, जो जघन्य अपराधों के बाद फरार हैं। अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई जैसे ही शुरू हो रही है, वे खुद-ब-खुद पुलिस या अदालतों के समक्ष समर्पण कर रहे हैं। जनता चाहे किसी भी राजनीतिक विचारधारा की समर्थक हो, उसे शांति और समृद्धि चाहिए होती है। बुलडोजर के गवर्नेंस मॉडल के खौफ के जरिए अगर उसे राहत मिलती है तो उसके समर्थन में उसे आना ही है। यही वजह है कि मध्य प्रदेश में भी जब इस मॉडल को अजमाया गया तो उसे जनसमर्थन मिला।

भारतीय संविधान जाति, धर्म और नस्ल के आधार पर भेदभाव नहीं करता। अव्वल तो इस आधार पर राजनीति भी नहीं होनी चाहिए। लेकिन यह दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि चाहे 1937 के चुनाव हों या बाद के दौर के, हर बार राजनीति ने जाति और धर्म के दायरे में अपना आधार तलाशे की कोशिश की। चूंकि भारत की शुरुआती राजनीतिक व्यवस्था की अगुआ कांग्रेस रही है, इसलिए इस संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए वही सबसे ज्यादा जिम्मेदार है।

इसी का असर रहा कि पूरी राजनीति जाति और धर्म के सीमित दायरों में समाहित होती चली गई। इसीलिए जब जहांगीरपुरी का मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचता है तो वहां भी इसे हिंदू-मुसलमान के दायरे में बांटने की होती है। बुलडोजर के गवर्नेंस मॉडल पर सवाल उठाते हुए जब कपिल सिब्बल सुप्रीम कोर्ट में कहते हैं कि बुलडोजर का इस्तेमाल सिर्फ मुसलमानों के खिलाफ हो रहा है तो एक बड़ा समुदाय इसे अल्पसंख्यकों के तुष्टिकरण के रूप में देखता है। हालांकि तथ्य इसके ठीक उलट है। खरगोन में बुलडोजर ने जहां 26 मुस्लिम परिवारों की संपत्तियों को तोड़ा है वहीं 88 हिंदुओं के घर भी ध्वस्त हुए हैं। राजनीति में अपने हिसाब से मुद्दों को हवा में उछालने का चलन रहा है। उसी आधार पर धारणाएं बनाई जाती हैं। जहांगीरपुरी मामले में भी ऐसा दिख रहा है। जहांगीरपुरी की मार्केट असोसिएशन ने साल 2021 में दिल्ली हाईकोर्ट में अवैध कब्जे और अतिक्रमण के खिलाफ याचिका दायर की थी। जिसके खिलाफ कार्रवाई के लिए नगर निगम को हाईकोर्ट ने आदेश दिया है। जहांगीरपुरी में 20 अप्रैल को सातवीं बार बुलडोजर की कार्रवाई हुई। इसमें भारी संख्या में पुलिस बल लगाने की वजह रही कि जहां कार्रवाई होनी थी, वह इलाका संवेदनशील है। इसी इलाके में रामनवमी के दिन दंगा हो चुका था।

विशेषाधिकार या संरक्षण

हमने जिस लोकतंत्र को स्वीकार किया है, उसमें जाति और धर्म के आधार पर विशेषाधिकार की बात नहीं है, संरक्षण की बात जरूर है। लेकिन समय के साथ संरक्षण की यह अवधारणा विशेषाधिकार की तरह स्वीकार कर ली गई है। इसीलिए जब भी किसी अपराध और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई होती है, तो उसका राजनीतिक विरोध शुरू हो जाता है।

चीन की चुनौती पर क्या है नेवी की तैयारी

भूपेन्द्र पटेल

चीन और पाकिस्तान की ओर से लगातार बढ़ते खतरे को लेकर इंडियन नेवी बड़ी तैयारी में है। क्वॉड की कूटनीति तो चल ही रही है, इंडियन नेवी भी पिछले कुछ महीनों से क्वॉड के सदस्य देशों के साथ समुद्र में संयुक्त युद्धाभ्यास कर रही है। मगर इन सबमें सबसे जरूरी चीजें हैं हथियार। तो बता दें कि इंडियन नेवी इन दिनों बहुत सारे हथियार टेस्ट कर रही है।

बात एयरक्राफ्ट कैरियर से ही शुरू करें, जिस पर ढेरों लड़ाकू प्लेन रहते हैं और बड़ी दूर तक मार करते हैं। इंडियन नेवी को अगले तीन महीने में, यानी अगस्त तक अपना दूसरा और स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर विक्रांत मिलने जा रहा है। अभी तक नेवी के पास एक ही एयरक्राफ्ट कैरियर- आईएनएस विक्रमादित्य है। कीव कैटिगरी का यह कैरियर नेवी को 2014 में मिला था और फिलहाल पश्चिमी समुद्र तट पर तैनात है। लंबे समय से पूर्वी समुद्र तट पर विशाखापट्टनम में रखने के लिए एक एयरक्राफ्ट कैरियर चाहिए था। विक्रांत के नौसेना में शामिल होने के साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा, जिनके पास एयरक्राफ्ट कैरियर बनाने की तकनीक है।

कहने की जरूरत नहीं कि कोचिन शिपयार्ड में बने विक्रांत से इंडियन नेवी को एक और मोबाइल एयरफील्ड यानी समुद्र में चलता-फिरता एयरपोर्ट मिल रहा है। चीन के पास अभी दो एयरक्राफ्ट कैरियर हैं। ये भारत के एयरक्राफ्ट कैरियर से बड़े हैं। चीन अपना तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर भी बना रहा है। उसकी परमाणु ईंधन से चलने वाले चौथे सुपर कैरियर बनाने की भी तैयारी है। चीन की योजना है कि 2030 तक 5 से 6 एयरक्राफ्ट कैरियर उसकी नौसेना में हों।

हिंद महासागर रीजन की अहमियत का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि यहां हर वक्त अलग-अलग देशों के 60 से ज्यादा वॉरशिप ऑपरेट करते हैं। एयरक्राफ्ट कैरियर से किसी भी देश की युद्ध क्षमता बढ़ती है क्योंकि यह सिर्फ अपने बेस के पास ही नहीं बल्कि किसी भी लोकेशन में जा सकता है। इसी साल भारतीय नौसेना को मिलने वाले एयरक्राफ्ट कैरियर विक्रांत में 36 से 40 एयरक्राफ्ट तैनात किए जा सकेंगे। इनमें 26 फाइटर एयरक्राफ्ट और 10 हेलिकॉप्टर रखे जा सकते हैं। टेस्टिंग के दौरान ही इस पर मिग-29के तैनात किए जा चुके हैं, इसके अलावा इस पर कामोव-31 हेलिकॉप्टर, एमएच-60 आर मल्टीपरपज हेलिकॉप्टर तैनात होंगे।

भारत ने भी नौसेना की ताकत बढ़ाने पर काम किया है। भारत का जोर स्वदेशी क्षमता बढ़ाने पर भी है। नौसेना के लिए इस वक्त कई स्वदेशी प्रॉजेक्ट पर काम चल रहा है। प्रॉजेक्ट-75 के तहत कुल छह सबमरीन बननी हैं। इनमें से चार सबमरीन बनकर नौसेना में शामिल भी हो गई हैं। पांचवी सबमरीन 'वागीर' का ट्रायल चल रहा है। प्रॉजेक्ट की छठी सबमरीन 'वागशीर' को कुछ दिन पहले ही समुद्र में उतारा गया, अब इसका भी वहीं ट्रायल होगा। ये दोनों सबमरीन नौसेना को अगले साल मिल जाएंगी। इसी तरह प्रॉजेक्ट-15 बी के तहत चार गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर बनने हैं। पिछले साल नवंबर में ही इस प्रॉजेक्ट का पहला डिस्ट्रॉयर 'विशाखापट्टनम' नौसेना में शामिल हुआ। दूसरा डिस्ट्रॉयर इसी साल, तीसरा 2024 में और चौथा डेस्ट्रॉयर 2025 में नौसेना को मिल जाएगा।

'विशाखापट्टनम' गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर है और यह दुश्मन के रेडार की नजर से बचकर ऑपरेट कर सकता है। इसमें सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें लगी हैं। इसमें आधुनिक सर्विलांस रेडार फिट हैं जो टारगेट का डेटा सीधे वॉरशिप के वेपन सिस्टम में भेज देगा। यह सबमरीन से भी निपटने में सक्षम है। यह डिस्ट्रॉयर न्यूक्लियर, बायोलॉजिकल और कैमिकल युद्ध भी ऑपरेट कर सकता है।

एक और प्रॉजेक्ट पर काम चल रहा है, जिसका नाम है प्रॉजेक्ट-17ए। इस प्रॉजेक्ट के तहत नीलगिरी क्लास फ्रीगेट बनाए जा रहे हैं। कुल सात फ्रिगेट बनने हैं। इनमें से 2 फ्रिगेट समुद्र में लॉन्च किए गए हैं, जल्द इनका ट्रायल शुरू होगा। फ्रीगेट और डिस्ट्रॉयर में साइज के साथ ही क्षमता का भी फर्क है। फ्रीगेट के मुकाबले डिस्ट्रॉयर करीब डेढ़ गुना बढ़ा होता है। फ्रीगेट किसी एक तरह के रोल के लिए ज्यादा उपयुक्त होता है और बाकी रोल में इसका इस्तेमाल रक्षात्मक रोल के लिए करते हैं। जबकि डिस्ट्रॉयर में कई रोल निभाने की क्षमता है। इसे एंटी सबमरीन, एंटी शिप या फिर एंटी एयरक्राफ्ट के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं और यह सभी में उतनी ही सटीकता से अपना रोल निभाता है।

शिवसेना सांसद शेवाले पर युवती ने लगाया दुष्कर्म का आरोप, शिकायत दर्ज

एक अधिकारी ने बताया कि महिला ने उपनगरीय मुंबई के साकीनाका पुलिस थाने में सांसद शेवाले के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई।

शिवसेना के लोकसभा सांसद राहुल शेवाले पर एक महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। महिला की उम्र 26 साल है। हालांकि सांसद शेवाले ने बयान जारी कर दुष्कर्म के आरोप का खंडन किया है।

पुलिस का कहना है कि सांसद ने इस आरोप से इनकार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि महिला ने उपनगरीय मुंबई के साकीनाका पुलिस थाने में सांसद शेवाले के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई।

अधिकारी ने बताया कि अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और पुलिस ने अभी तक शिकायत की जांच शुरू नहीं की है। शिवसेना सांसद शेवाले ने एक बयान जारी कर बलात्कार के आरोप का खंडन किया और शिकायत को उनकी राजनीतिक छवि खराब करने के उद्देश्य से एक साजिश करार दिया।

राहुल शेवाले मुंबई दक्षिण मध्य से सांसद हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी भी पुलिस जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं और कहा कि साजिश के पीछे के लोगों का पर्दाफाश किया जाएगा।

राज के जरिये भाजपा निकालेगी उद्धव का कांटा, मनसे संग गठबंधन पर बनी सहमति, 14 जून को हो सकती है घोषणा

महाराष्ट्र में भाजपा ने शिवसेना को पटखनी देने के लिए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) का इस्तेमाल करने की तैयारी कर ली है। कई दौर की बातचीत के बाद दोनों दलों में गठबंधन पर सहमति बन चुकी है। इसकी घोषणा 14 जून को की जा सकती है। गठबंधन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी हरी झंडी दे दी है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि गठबंधन से जुड़ी सभी बाधाएं दूर हो गई हैं। मनसे को भाजपा मुंबई और पुणे में कुछ सीटें देगी। शेष राज्य में भाजपा अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। इस संदर्भ में अंतिम अहम बैठक 21 अप्रैल को हुई। इसमें संघ के लोग भी मौजूद थे। इसी बैठक में गठबंधन पर सैद्धांतिक सहमति बनी। सीटों के बंटवारे सहित कुछ अन्य सवाल पर बाद में फैसला होगा।

इसके लिए दोनों दलों के बीच कुछ और बैठकें होंगी।

योगी की तारीफ से मिला संकेत...

मनसे प्रमुख राज ठाकरे इन दिनों महाराष्ट्र में धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों को लेकर महाविकास अघाड़ी सरकार पर हमलावर हैं। महाराष्ट्र सरकार ने मामले में केंद्र सरकार के स्तर पर निर्णय लेने की बात कही है। राज ने इसकी आलोचना करते हुए इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के साथ राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की।

मनसे प्रमुख ने ट्वीट किया, धार्मिक स्थलों, खासकर मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने को लेकर मैं योगी सरकार को पूरे दिल से बधाई देता हूं। मैं उनके इस फैसले में पूरी तरह उनके साथ खड़ा हूं। दुर्भाग्य से महाराष्ट्र में कोई योगी नहीं है। हमारे पास सिर्फ सत्ता के भोगी हैं। मैं ईश्वर से उन्हें सदबुद्धि देने की प्रार्थना करता हूं।

शिवसेना से बनती-बिगड़ती रही है बात...

दरअसल राज्य में भाजपा बड़े भाई की भूमिका निभाना चाहती है जो शिवसेना को मंजूर नहीं है। तल्ख-नरम रिश्ते के बीच दोनों दलों ने बीते लोकसभा चुनाव में गठबंधन किया था। बीते विधानसभा चुनाव में भी दोनों दल साथ थे। हालांकि नतीजे आने के बाद शिवसेना मुख्यमंत्री पद को लेकर अड़ गई और बाद में गठबंधन तोड़कर कांग्रेस-राकांपा से हाथ मिला लिया। उद्धव ठाकरे बतौर मुख्यमंत्री इस सरकार की अगुवाई कर रहे हैं।

चंद्रपुर: सांसद के घर में चोरी करने वाले 3 आरोपी धराए

चंद्रपुर। चंद्रपुर शहर के सरकार नगर में स्थित सांसद बालू धानोरकर के मकान में चोरी करने वाले तीन चोरों को पुलिस ने धर दबोचा है। चोरों ने सांसद धानोरकर के साथ-साथ परिसर के अन्य दो मकानों को भी निशाना बनाया था। गिरफ्तार आरोपियों के नाम रोहित इमलकर, शंकर नेवारे, तनवीर बेग बताया गया है।

अमरावती: धारणी के कुछ वार्डों में पानी के लिए हाहाकार

धारणी(अमरावती)। धारणी शहर के वार्ड 7 और 8 के नागरिकों को बीते एक माह से पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। नलों में पानी नहीं आने से इन दोनों वार्ड में हाहाकार मचा हुआ है। पानी की समस्या को लेकर कई बार अवगत कराने के बाद भी कोई उपाय नहीं निकाला जा रहा है। आखिरकार गुस्साए नागरिकों ने नगर पंचायत कार्यालय पर दस्तक दी। नागरिकों के आक्रोश को देखते हुए नगर पंचायत प्रशासन ने जल्द से जल्द जल किल्लत की समस्या से निजात दिलाने का आश्वासन दिया है।

चंद्रपुर: विश्व में पांचवां गर्म शहर रहा चंद्रपुर, पारा पहुंचा 45 के पार

चंद्रपुर। भीषण गर्मी वाले चंद्रपुर शहर तापमान के मामले में गुरुवार को वर्ल्ड में पांचवें क्रमांक पर रहा है। चंद्रपुर का तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग ने आनेवाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी होकर तीव्र रूप से लू की लहर चलने की चेतावनी जारी कर नागरिकों से आवश्यक सावधानी बरतने का आह्वान किया है। जिले में तापमान रिकार्ड स्तर पर पहुंच सकता है।

कोविड टास्क फोर्स का दावा, महाराष्ट्र में नहीं आई है चौथी लहर!

मुंबई। कोविड टास्क फोर्स ने दावे के साथ कहा है कि महाराष्ट्र में कोरोना की चौथी लहर नहीं आई है। हालांकि टास्क फोर्स ने यह माना कि बीते कुछ दिनों से मुंबई शहर और उपनगर में कोरोना के नए संक्रमितों की संख्या में कुछ हद तक वृद्धि जरूर हुई है। ऐसे में मास्क का उपयोग शुरू करने और कोरोना से बचाव के नियमों का सख्ती से पालन करने का सुझाव दिया गया है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र सरकार ने मास्क की अनिवार्यता को हटा दिया है। साथ ही मास्क उपयोगिता को ऐच्छिक कर दिया गया है। मास्क अनिवार्यता में मिली छूट के बाद से जनता बेफिक्र हो गई। साथ ही बड़ी संख्या में लोग बिना मास्क के ही घर से बाहर निकलने लगे। विशेषज्ञों की मानें तो कोरोना वायरस आए दिन रूप बदल रहा है। ऐसे में मास्क ही एक ऐसा हथियार है जो महामारी से बचाने में ढाल का काम कर रहा है।

दूसरी तरफ दिल्ली में हजार के पार और मुंबई में ५७ दिनों में १०० के ऊपर मरीजों की संख्या पहुंच गई है, जो चिंता का सबब बन रहा है।

नए म्यूटेंट की नहीं मिली कोई जानकारी डॉ. पंडित ने कहा कि कोरोना में अक्सर बदलाव देखे जा रहे हैं। ऐसे में जीनोम अधिक से अधिक जीनोम सिक्वेंसिंग जांच करने की आवश्यकता है, ताकि इसका पता लगाया जा सके कि वायरस का कोई नया स्ट्रेन अथवा म्यूटेंट तो नहीं आ गया है। जांच से स्ट्रेन की जानकारी जल्दी मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल इस समय ओमायक्रॉन के मामले अधिक मिल रहे हैं। कोई नया वैरिएंट अभी तक सामने नहीं आया है।

कोरोना के साथ ही जीना पड़ेगा

डॉ. पंडित ने कहा कि कोरोना की चौथी लहर के आने पर अभी कुछ कहना संभव नहीं है। यह जरूर है कि कोरोना अभी कहीं गया नहीं है। हमें कोरोना के साथ ही जीना पड़ेगा। ऐसे में चिंता और घबराने की जरूरत नहीं है। कोरोना को वैâसे नियंत्रित रखा जा सकता है। साथ ही जनजीवन वैâसे शुरू रहेगा, इस पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। फिलहाल वैक्सीनेशन तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि टास्क फोर्स की तरफ से सुझाव दिया गया है कि महामारी से बचने के लिए कार्यालय, अस्पतालों, सिनेमा हॉलों और मॉल में मास्क को अनिवार्य किए जाने के सुझाव दिए गए हैं।

उत्तर हिंदुस्थान में बढ़े मरीज, दक्षिण में स्थित सामान्य

कोविड टास्क फोर्स के सदस्य डॉ. राहुल पंडित ने कहा कि कोरोना के मामलों में वृद्धि जरूर हुई है, इसमें कोई दो राय नहीं है लेकिन उत्तर हिंदुस्थान में कोविड में बढ़ोतरी देखी जा रही है। फिलहाल दक्षिण की तरफ बहुत अधिक मामले सामने नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल मरीजों के बढ़ते मामलों की बजाय अस्पताल में भर्ती होने वाले संक्रमितों की संख्या कितनी है, उसे भी देखना चाहिए।

एचआईवी को मुंबई दे रही मात! संक्रमित मरीज हुए कम

मुंबई। मुंबई में एचआईवी को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों का न केवल सकारात्मक असर साफ दिखाई दे रहा है, बल्कि इससे एचआईवी को मात देने में मदद भी मिल रही है। एचआईवी रोकथाम विभाग के अनुसार बीते कुछ वर्षों में ऐसे रोगियों की संख्या में कमी आई है। आकड़ों के मुताबिक मुंबई में इस समय ३६ हजार एचआईवी रोगियों का एंटीरेट्रो वायरल थेरेपी से इलाज किया जा रहा है।

३६ हजार रोगियों का एंटीरेट्रो वायरल थेरेपी से हो रहा इलाज

मुंबई डिस्ट्रिक्ट एड्स कंट्रोल सोसायटी (एमडैक्स) से मिले आंकड़ों के अनुसार मुंबई में वर्ष २०१६-१७ में ६,७७२ नए एचआईवी मरीज मिले थे, जबकि २०२०-२१ में यह आंकड़ा घटकर २,०६३ रह गया। वहीं चालू वर्ष में भी नए मरीजों की संख्या में कमी देखी गई है। फिलहाल मुंबई में एचआईवी संक्रमण दर ०.८ फीसदी यानी एक हजार लोगों का टेस्ट करने पर आठ लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं।

जागरूकता से घटी बीमारी

एमडैक्स की अतिरिक्त परियोजना निदेशक डॉ. श्रीकला आचार्या ने कहा कि एआरटी सेंटर, जांच के लिए उपलब्ध संसाधनों और बीमारी के प्रति लोगों में बढ़ती जागरूकता के चलते मामलों में कमी दर्ज हुई है। हालांकि कोरोना की आई लहरों में टेस्टिंग प्रभावित हुई थी इसलिए नए मामले कम मिले थे। चालू वर्ष में टेस्टिंग सामान्य रही फिर भी नए मामले कम मिले हैं। दूसरी तरफ एड्स के प्रति चलाई जा रही जनजागृति का असर गर्भवती महिलाओं पर हो रहा है। यही वजह है कि गर्भवती महिलाओं के एचआईवी संक्रमित होने का प्रमाण कम हो गया है।

वर्ष २०१९-२० में गर्भवती महिलाओं के एचआईवी संक्रमित होने का प्रमाण १४४ फीसद था, जो वर्ष २०२१-२२ में घटकर ४९ फीसद तक पहुंच गया है।

सेहत ठीक न होने के आधार पर मंत्री मलिक ने मांगी जमानत, पैरों में है सूजन

मनीलांड्रिंग से जुड़े मामले में गिरफ्तारी के बाद जेल में बंद राज्य के मंत्री नवाब मलिक ने सेहत ठीक न होने (मेडिकल आधार पर) के आधार पर अंतरिम जमानत देने की मांग को लेकर मुंबई की विशेष पीएमएलए अदालत में आवेदन दायर किया है। इससे पहले 62 वर्षीय मलिक ने दावा किया था कि किडनी की तकलीफ के चलते उनकी तबीयत ठीक नहीं है और उनके पैरों में सूजन है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता मलिक को 23 फरवरी को 2022 को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वे न्यायिक हिरासत में हैं।

एक माह में गढ़चिरोली जिले में बिजली चोरी के 870 मामले उजागर

गड़चिरोली । पूर्वी विदर्भ के कुछ जिलों को छोड़ समूचे प्रदेश में महावितरण कंपनी ने लोड़शेडिंग शुरू की है। अब तक आदिवासी बहुल गड़चिरोली जिले के नागरिकों पर लोड़शेडिंग की मार नहीं पड़ी है। नियमित रूप से बिजली मिलने के बावजूद जिले में बिजली चोरी के मामले लगातार बढ़ रहें है। पिछले एक माह की कालावधि में महावितरण कंपनी ने समूचे जिले से कुल 870 बिजली चोरी के मामले उजागर किये है।

दिल्ली की तरह महाराष्ट्र में भी माहौल खराब करने की कोशिश... समाज को भड़काने का हो रहा है काम

मुंबई। हिंदुस्थान में सांप्रदायिक हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। केंद्र में भाजपा की सरकार इस तरह की घटनाओं को रोकने में बुरी तरह से फेल हुई है। सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं पर राकांपा प्रमुख शरद पवार ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को जमकर लताड़ लगाई है। उन्होंने दिल्ली में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि यहां हालात ठीक नहीं है। दिल्ली में दंगे का माहौल है। दिल्ली की तरह ही महाराष्ट्र में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की स्थिति बनाई जा रही है।

शरद पवार ने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में एक तरह का गलत माहौल तैयार करने की कोशिश हो रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हैं। लेकिन वहां की पुलिस व्यवस्था केंद्र सरकार के पास है। पवार ने आगे कहा कि लोगों और समाज को लगातार भड़काने का काम किया जा रहा है। पुलिस पर आरोप लगाए जा रहे हैं। साथ ही माहौल को बिगाड़ने का काम किया जा रहा है।

भाईचारा बिगाड़ने वाला भाषण देना ठीक नहीं

शरद पवार ने कहा कि दिल्ली में घर तोड़ने का काम हुआ है। अगर किसी को सभा करनी है तो सरकार उसे इजाजत देगी, लेकिन लोगों को बुलाकर भाईचारा बिगाड़ने वाले भाषण देना ठीक नहीं है। इस तरह का काम करके कुछ राजनीतिक दल माहौल बिगाड़ने का काम कर रहे हैं।

इसकी अनदेखी कर सभी हिंदू-मुस्लिम समाज को भाईचारा कायम रखने के लिए प्रयास करना चाहिए।

लाउडस्पीकर और हनुमान चालीसा पर चल रहा विवाद

महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर और हनुमान चालीसा को लेकर बीते कई दिनों से विवाद चल रहा है। इसी मामले को लेकर निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा ने एलान किया था कि वो अपने समर्थकों के साथ मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। हालांकि देशद्रोह के मामले में राणा दंपति सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं। शरद पवार ने इशारों-इशारों में इसी बात का जिक्र किया।

महाराष्ट्र में 'योगी' नहीं 'भोगी' हैं...

लाउडस्पीकर हटवाने पर राज ठाकरे ने बांधे UP सीएम की तारीफों के पुल

उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ ने धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकर को हटाने का सख्त आदेश जारी किया है। उनके आदेश के बाद अब तक 6 हजार से अधिक लाउडस्पीकर उतरवा दिए गए हैं। योगी सरकार के इस एक्शन की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अध्यक्ष राज ठाकरे ने तारीफ की है।

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में लाउडस्पीकर के खिलाफ सख्त अभियान चल रहा है। ईद के पहले ही मस्जिदों और मंदिरों समेत तमाम धार्मिक स्थानों से लाउडस्पीकर उतारने का अभियान जारी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस संबंध में कड़े आदेश जारी किए हैं। हाई कोर्ट के आदेश और सीएम योगी के सख्त तेवर को देखते हुए प्रशासन की टीम भी पूरी तरह से जागरूक होकर कार्य कर रही है। योगी सरकार के एक्शन के बाद मस्जिदों के साथ-साथ मंदिरों से भी लाउडस्पीकर हटाया जा रहा है। योगी सरकार (Yogi Government) के ऐक्शन ने महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे (R a j Thackeray) को अपना मुरीद बना लिया है। उन्होंने यूपी में योगी सरकार के ऐक्शन की जमकर तारीफ की और महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार (U d d h a v Thackeray Government) पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 'योगी' नहीं 'भोगी' सरकार है।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग शुरू की थी। इसको लेकर पार्टी की ओर से अभियान भी शुरू किया गया। राज ठाकरे ने महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार को अल्टीमेटम दिया है कि ईद के बाद यानी 3 मई के बाद भी अगर मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं हटाया गया तो उनकी पार्टी विरोध में हनुमान चालीसा का पाठ कराएगी। राज ठाकरे के अल्टीमेटम ने महाराष्ट्र की राजनीति का पारा हाई कर दिया है। वहीं, महाराष्ट्र में चल रहे मुद्दे के बीच यूपी में भी कई स्थानों पर लाउडस्पीकर को लेकर विरोध के सुर उठने लगे थे। वहीं, हनुमान जयंती के मौके पर दिल्ली में हिंसा के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने हाई कोर्ट के आदेश को ध्यान में रखते हुए लाउडस्पीकर पर बड़ा आदेश जारी किया।

ठाकरे ने किया योगी सरकार का समर्थन

सीएम योगी ने कहा है कि नए स्थानों को अब लाउडस्पीकर लगाने की परमिशन नहीं दी जाएगी। पहले से धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर की आवाज इतनी कम होगी कि यह परिसर से बाहर न निकले। योगी ने अभियान की शुरुआत गोरखनाथ मंदिर से कराई तो प्रदेश में मंदिर और मस्जिदों से खुद ही लाउडस्पीकर हटाने का सिलसिला शुरू हो गया। अब सीएम योगी आदित्यनाथ के ऐक्शन ने राज ठाकरे को अपना मुरीद बना लिया है। उन्होंने एक संदेश जारी कर कहा है कि मैं उत्तर प्रदेश के योगी सरकार की ओर से धार्मिक स्थलों, खासकर मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाए जाने के अभियान का समर्थन करता हूं। मैं इस अभियान के लिए योगी सरकार को बधाई देता हूं। इसमें राज ठाकरे ने जोड़ा किया दुर्भाग्य से महाराष्ट्र में इस समय योगी नहीं भोगी सरकार चल रही है।

यूपी में हटाए गए 6 हजार लाउडस्पीकर

हाई कोर्ट के आदेश के तहत यूपी पुलिस ने प्रदेशभर में अभियान चलाकर 6000 से ज्यादा अवैध लाउड स्पीकर उतरवाए हैं। वहीं, करीब 30 हजार लाउडस्पीकर की आवाज को धीमा करवाया गया है। एडीजी लॉ ऐंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने कहा है कि पूरे प्रदेश में धार्मिक स्थलों पर अवैध रूप से लगाए गए लाउडस्पीकर उतारने और वैध लाउडस्पीकर की आवाज कम करने के सिलसिले में अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बुधवार दोपहर करीब दो बजे तक 6,031 लाउडस्पीकर हटाए गए और 29,674 लाउडस्पीकरों की आवाज अनुमन्य सीमा तक कम की गई है। इसमें सबसे ज्यादा 1,366 लाउडस्पीकर वाराणसी जोन से हटाए गए।

एडीजी ने कहा कि इसके अलावा 1,215 मेरठ जोन से, 1,070 बरेली जोन से, 1,056 कानपुर जोन से, 912 लखनऊ जोन से, दो गोरखपुर जोन से, 30 आगरा जोन से और एक लाउडस्पीकर गोरखपुर जोन से हटाया गया। कमिश्नरेट में कार्रवाई की बात करें तो लखनऊ में 190, वाराणसी में 170, नोएडा में 19 लाउड स्पीकर उतारे गए। कानपुर कमिश्नरेट में पुलिस को एक भी अवैध लाउडस्पीकर नहीं मिला।

आवाज कम करवाने में लखनऊ जोन अव्वल

वैध लाउडस्पीकर की आवाज कम करवाने में लखनऊ जोन सबसे आगे है। यहां 6,400 लाउडस्पीकरों की आवाज धीमी की गई है।

इसके अलावा बरेली जोन में 6,257 और मेरठ जोन में 5,976 लाउडस्पीकरों की आवाज सीमित की गई है।

गोरखपुर जोन में 2767, वाराणसी जोन में 2417, कानपुर जोन में 1713, प्रयागराज जोन में 1073 और आगरा जोन में 905 लाउडस्पीकरों की आवाज धीमी करवाई गई।

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में 1235, नोएडा में 462, वाराणसी में 374 और कानपुर में 95 स्पीकरों की आवाज सीमित करवाई गई।

ओटीटी – हम में से अधिकांश इसे क्यों स्वीकार कर रहे हैं?

हिरल शाह

हाल के वर्षों में ओटीटी प्लेटफॉर्म ने ग्राहकों को उनकी मनोरंजन जरूरतों के लिए कई तरह के विकल्प प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाया है। उपयोगकर्ता अब सैटेलाइट केबल जैसे पारंपरिक माध्यमों से बंधे नहीं हैं। चैनलों के माध्यम से सर्फिंग अब अतीत की बात हो गई है, और अब कोई भी इस बारे में सूचित निर्णय ले सकता है कि क्या देखना है। वैयक्तिकरण का एक अत्यंत उच्च स्तर इन प्लेटफार्मों को यह अनुमान लगाने की अनुमति देता है कि उपयोगकर्ता सबसे अधिक क्या देखेगा।

ओवर-द-टॉप टीवी और वीडियो के लिए दुनिया भर में राजस्व 2022 तक $80 बिलियन को पार करने की उम्मीद है। यह कहना सुरक्षित है कि यह घटना यहां रहने के लिए है और धीरे-धीरे पारंपरिक टीवी उद्योग को बाधित करेगी। इस स्थान के अग्रदूत अंततः इस स्थान पर हावी हो जाएंगे।

जो अभी भी अंधेरे में है, वह यह है कि एक अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म कैसे विकसित किया जाए जो सभी उपकरणों के उपयोगकर्ताओं को सर्वोत्तम संभव अनुभव प्रदान करे। इस ब्लॉग में, हमने इस क्षेत्र में उद्योग जगत के नेताओं और अन्य खिलाड़ियों के प्रासंगिक उदाहरणों के साथ, इस तरह के मंच के निर्माण की बुनियादी बातों को रेखांकित करने का प्रयास किया है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म क्या है?

ओटीटी प्लेटफॉर्म को ओवर-द-टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में भी जाना जाता है जो कंटेंट प्रदाता हैं और तेजी से बढ़ रहे हैं, क्योंकि अधिक से अधिक लोग मनोरंजन के लिए ऑनलाइन माध्यमों को बदल रहे हैं। कॉमस्कोर की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में 50 मिलियन परिवार ओटीटी वीडियो का उपयोग करते हैं, जिसका वे पारंपरिक टीवी दर्शकों के समान समय-समय पर उपभोग करते हैं। वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए, यह आसानी से कहा जा सकता है कि वीडियो सामग्री माध्यम को ओटीटी वीडियो स्ट्रीमिंग प्रदाताओं द्वारा नया रूप दिया गया है और विकसित किया गया है।

ओटीटी एक ऐसी विधि है जिसके माध्यम से केबल टीवी जैसी पारंपरिक सेवाओं को दरकिनार करते हुए ऑडियो, वीडियो और अन्य मीडिया सेवाओं को सीधे इंटरनेट पर उपभोक्ताओं को वितरित किया जाता है। ओटीटी को एक ऐसी सेवा या तकनीक के रूप में भी माना जा सकता है जो उपयोगकर्ताओं को पूर्व-रिकॉर्डेड और लाइव-स्ट्रीम सामग्री वितरित करने का अवसर प्रदान करती है। इस सामग्री को मोबाइल, स्मार्टफोन, टैबलेट, स्मार्ट टीवी, स्ट्रीमिंग स्टिक और पर्सनल कंप्यूटर जैसे इंटरनेट-सक्षम उपकरणों के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। आज, अधिकांश ओटीटी प्लेटफॉर्म केवल वीडियो स्ट्रीमिंग और वीडियो होस्टिंग से कहीं अधिक की पेशकश करते हैं।

कुछ में वीडियो मुद्रीकरण सुविधाएँ शामिल हैं, यानी अपनी वीडियो सामग्री को विभिन्न मॉडलों जैसे कि एकमुश्त खरीदारी, सदस्यता, रेंटल या बंडल पैकेज के माध्यम से बेचना।

कुछ उल्लेखनीय उदाहरणों में Amazon Prime, Netflix, Disney Hotstar और Hulu शामिल हैं।

ओटीटी बाजार को तीन सेवा प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है - मांग पर सदस्यता वीडियो (एसवीओडी), मांग पर लेनदेन संबंधी वीडियो (टीवीओडी), और मांग पर विज्ञापन वीडियो (एवीओडी)।

ओटीटी प्लेटफॉर्म के लाभ

एक बार सदस्यता के लिए सदस्यता लेने के बाद, कोई भी कभी भी और कहीं भी गुणवत्ता सामग्री तक पहुंच सकता है। इसके साथ ही ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के कई फायदे भी हैं। सूचना क्रांति और विकास में एक आवश्यक भूमिका निभाते हुए महामारी के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म और व्यवसाय काफी बढ़ गए हैं।

नेटफ्लिक्स, अमेज़ॅन प्राइम, हॉटस्टार, हुलु जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म ने भारी लोकप्रियता हासिल की है। अधिक से अधिक ऑन-डिमांड मनोरंजन प्राप्त करने के आग्रह के साथ, लोग स्ट्रीमिंग सेवाओं की और भी अधिक सदस्यता ले रहे हैं। नीचे हमने कुछ कारणों का उल्लेख किया है जो ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं के लिए बैकअप लेते हैं:

1. कनेक्टिविटी:

ओटीटी प्रसारण प्लेटफॉर्म तक पहुंचना और उपयोग करना वास्तव में आसान है। इसके लिए बस एक स्थिर इंटरनेट कनेक्शन और एक स्मार्ट टीवी या स्मार्टफोन आदि जैसे संगत देखने वाले उपकरण की आवश्यकता होती है। नेटवर्क वाहक मासिक भुगतान के खिलाफ इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करता है और दर्शक को अपनी आवश्यकताओं के आधार पर इंटरनेट पैकेज या योजना चुनने की सुविधा होती है।

2. लागत अनुकूल:

पारंपरिक टीवी कनेक्शन की तुलना में ओटीटी प्लेटफॉर्म बहुत ही किफायती हैं। आप टीवी केबल पर मिलने वाले सभी कंटेंट को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपेक्षाकृत कम कीमत में एक्सेस कर सकते हैं। हालाँकि, इसमें शामिल एकमात्र लागत इंटरनेट डेटा पैकेज है जो आपके ओटीटी उपयोग और सदस्यता शुल्क, यदि कोई हो, पर निर्भर करता है।

3. सुविधा

ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ, आप अपनी पसंदीदा सामग्री को कभी भी, कहीं भी और जितनी बार चाहें एक्सेस कर सकते हैं। इन दिनों इंटरनेट की उपलब्धता के साथ, सभी उपकरणों पर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सामग्री तक पहुंचना आसान हो गया है। जबकि, पारंपरिक केबल नेटवर्क के मामले में आप केबल के लिए भौतिक और भौगोलिक आवश्यकताओं से बंधे होते हैं। स्थान की यह स्वतंत्रता दर्शकों के लिए अपनी पसंदीदा सामग्री को स्ट्रीम करना बहुत सुविधाजनक बनाती है। उन्हें बस कहीं से भी अपने स्ट्रीमिंग खाते में लॉग इन करना होगा और स्ट्रीमिंग शुरू करनी होगी।

4. विविधता सामग्री:

पारंपरिक केबल नेटवर्क के साथ, दर्शकों को चैनल चयन, प्रकार, गुणवत्ता और सामग्री की विविधता में सीमाओं का सामना करना पड़ता है। वे जो सामग्री दिखाते हैं उसमें प्रतिबंधात्मक हैं। उदाहरण के लिए, धारावाहिक, समाचार, लाइव गेम, फिल्में, बच्चों की सामग्री आदि ... जबकि, ओटीटी प्लेटफॉर्म मुफ्त और सशुल्क सामग्री सहित कई तरह की सामग्री खोलते हैं। उपयोगकर्ता प्रमुख सदस्य बनने के लिए सदस्यता ले सकते हैं, लेकिन सदस्यता के बिना भी, वे लगभग असीमित सामग्री का उपयोग कर सकते हैं।

5. डिवाइस स्वतंत्र:

ओटीटी प्लेटफॉर्म आपको किसी भी समय और कहीं भी मीडिया सेवाओं तक पहुंचने की अनुमति देता है। और यह ओटीटी प्लेटफॉर्म का सबसे बड़ा फायदा है। VoD सेवाओं के लिए धन्यवाद, आप कभी भी, कहीं भी अपने पसंदीदा शो का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा, यह अब स्मार्ट एंड्रॉइड टीवी और अन्य उपकरणों जैसे डिजिटल उपकरणों के साथ संगत है, इसलिए आप उस पर भी स्ट्रीमिंग का आनंद ले सकते हैं। आप इसे नेटवर्क कैरियर की परवाह किए बिना किसी भी डिवाइस पर एक्सेस कर सकते हैं।

बच्चों में हेपेटाइटिस की रहस्यमयी स्ट्रेन:ये 16 साल तक के बच्चों को शिकार बना रही, अब तक 11 देशों में सामने आए मामले

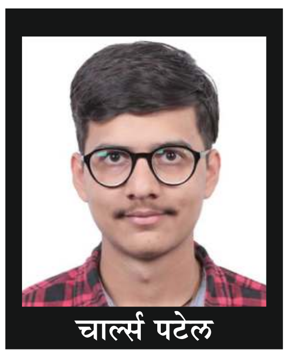
चार्ल्स पटेल

अमेरिका-ब्रिटेन समेत कई देशों के बच्चों में हेपेटाइटिस या लिवर में सूजन के मामलों में रहस्यमयी तेजी ने विशेषज्ञों को चिंता में डाल दिया है। सबसे पहले ब्रिटेन में जनवरी में कुछ केस मिले थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मुताबिक, 21 अप्रैल तक हेपेटाइटिस के 200 केस सामने आ चुके हैं। सोमवार को जापान में भी एक मामला मिला।

सभी केस एक माह से 16 साल के बच्चों के हैं। 17 बच्चों को लिवर ट्रांसप्लांट कराना पड़ा है। एक मौत दर्ज की गई है। बच्चों में अब तक हेपेटाइटिस के मामले नहीं देखे गए थे। सभी मामले स्वस्थ बच्चों में सामने आए हैं और यह हेपेटाइटिस A, B, C, D और E से अलग स्ट्रेन के हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (CDC) ने इसको लेकर अलर्ट जारी किया है।

हेपेटाइटिस के मामले अचानक क्यों बढ़े?

ये केस आम हेपेटाइटिस वायरस के नहीं हैं। आशंका है कि यह वायरसों के समूह एडिनोवायरस के कारण फैल रहा है। एडिनोवायरस के 99 ऐसे प्रकार मौजूद हैं, जो इंसान को संक्रमित कर सकते हैं। ये व्यक्तिगत संपर्क, सांस की बूंदों और संक्रमित सतह से फैलते हैं। वैज्ञानिक पता लगा रहे हैं कि क्या वायरस की आनुवंशिक प्रकृति में बदलाव आया है, जिसके कारण यह मामूली संक्रमण के बजाय सीधे लिवर को नुकसान पहुंचा रहा है। यूके हेल्थ सेक्यूरिटी एजेंसी के मुताबिक, इसका कारण एडिनोवायरस का स्ट्रेन F41 होने की संभावना है।

क्या बच्चों को हेपेटाइटिस होने के पीछे कोरोना है?

एक अनुमान, कोविड पाबंदियों के दौर में बच्चे आम वायरस के संपर्क में नहीं आए। लोगों से कम घुले-मिले। अब सब खुला, बच्चे घर से निकले तो उनका सामना एक के बाद एक वायरस से हो रहा है। इससे उनका इम्यून सिस्टम ज्यादा प्रतिक्रिया कर रहा है, जिससे लिवर में सूजन आ रही है। दूसरा अनुमान, इसका जिम्मेदार कोरोना तो नहीं है? यूके में इन बच्चों को का◌ोरोना भी हुआ था। वैज्ञानिक पता लगा रहे हैं कि क्या कोरोना बच्चों को हेपेटाइटिस के प्रति ज्यादा संवेदनशील बना देता है, जिस कारण वे एडिनो वायरस से संक्रमित हो जाते हैं।

माता-पिता क्या करें?

यह परेशान कर देने वाली स्थिति है। हालांकि, दुनियाभर में बहुत कम संख्या में बच्चे प्रभावित हुए हैं। आपके बच्चे में ऐसे लक्षण दिखें और वे लगातार बने रहें तो डॉक्टर से संपर्क करें। हेपेटाइटिस से बच्चों का बचाव कैसे करें?

बच्चों को नियमित रूप से (खास तौर पर वॉशरूम से आने और भोजन से पहले) हाथ धुलवाएं। उल्टी या डायरिया हो तो स्कूल न भेजें। नाक बहे तो उन्हें टिश्यू पेपर डस्टबिन में डालने और हाथ धोने के लिए कहें।

सिर्फ एक नहीं, पूरे 5 तरह का होता है मलेरिया का बुखार; जानिए लक्षण और बचाव के तरीके

रंजनबेन मसोया

दुनिया में हर साल 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। इसका लक्ष्य लोगों को मच्छरों के काटने से होने वाली इस जानलेवा बीमारी के प्रति जागरूक करना है। आज भले ही भारत में मलेरिया के मामलों में कमी आ रही है, लेकिन ऐसे कई देश हैं जहां अब भी मलेरिया एक महामारी बनी हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, साल 2020 में दुनिया भर में 24 करोड़ लोग मलेरिया से पीड़ित थे। वहीं मलेरिया के 95% केसेज और इनसे जुड़ी 96% मौतें केवल अफ्रीकी देशों में ही होती हैं।

मलेरिया क्या है?

मलेरिया एक संक्रामक बीमारी है। ये मादा मच्छर एनोफिलीज के काटने से होती है। दरअसल, इस मच्छर में प्लाज्मोडियम वीवेक्स नाम का प्रोटोजोआ होता है, जो इस बीमारी की असली वजह है। मलेरिया बुखार ज्यादातर गर्मियों और बारिश के मौसम में होता है।

कैसे फैलता है मलेरिया का संक्रमण

एनोफिलीज के काटने के तुरंत बाद ही प्लाज्मोडियम वीवेक्स इंसान के शरीर में घुसकर खुद को मल्टीप्लाई करने लगता है। ये पैरासाइट मरीज के लिवर और ब्लड सेल्स (रक्त कोशिकाओं) पर अटैक करता है। सही समय पर इलाज न होने से मरीज की मौत भी हो सकती है।

मलेरिया के 5 प्रकार

एक्सपर्ट्स के मुताबिक मलेरिया का बुखार केवल एक नहीं, बल्कि 5 प्रकार का होता है। यानी, पैरासाइट्स की 5 प्रजातियों के जरिए आपको ये बीमारी हो सकती है।

1. प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम: इस पैरासाइट से होने वाला मलेरिया बुखार सबसे कॉमन है। इससे संक्रमित होने के 48 घंटे बाद ही इंसान को लक्षण दिखने लगते हैं। मरीज बेहोश भी हो सकता है।

2. प्लाज्मोडियम वीवेक्स: ये दक्षिण पूर्वी एशिया और लैटिन अमेरिका के लोगों को होने वाले मलेरिया के लिए जिम्मेदार है। प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम के बाद ये दूसरा सबसे कॉमन मलेरिया है।

3. प्लास्मोडियम ओवेल मलेरिया: मलेरिया का ये प्रकार काफी असामान्य है। इसका पैरासाइट एक मरीज को लक्षण आए बगैर उसके लिवर में सालों तक रह सकता है।

4. प्लाज्मोडियम मलेरिया: इस पैरासाइट से होने वाले मलेरिया का नाम क्वार्टन मलेरिया है। ये ऊपर दिए गए मलेरिया बुखारों की तुलना में कम खतरनाक होता है। इसमें मरीज को चौथे दिन बुखार आता है। पेशाब के साथ प्रोटीन निकल जाने के कारण मरीज के शरीर में प्रोटीन की कमी भी हो जाती है।

5. प्लाज्मोडियम नोलेसी: मलेरिया का ये पैरासाइट पूर्वी एशिया में पाया जाता है। इसमें मरीज को बुखार और कंपकंपी छूटने के साथ-साथ भूख लगना भी बंद हो जाती है।

मलेरिया से बचाव के तरीके

कूलर और टैंक जैसी चीजों में पानी न भरने दें।

घर में जहां भी पानी भरता दिखे, उस जगह को मिट्टी से भर दें। उस पानी में मिट्टी का तेल भी डाल सकते हैं। इससे मच्छर नहीं पनपेंगे।

अपने शरीर को पूरी तरह ढकने वाले कपड़े पहनें।

तेज बुखार और कंपकंपी छूटने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

हमेशा मच्छरदानी के अंदर सोएं।

घर के आसपास कीटनाशकों का छिड़काव करें।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष: यह सप्ताह मेष राशि के जातकों के लिए शुभ समाचार लेकर आ रहा है। आप प्रसन्न रहेंगे। नए जीवन की शुरुआत करेंगे। आर्थिक मामले आसानी से निपट जाएंगे। अचानक कहीं से धनलाभ होने की संभावना है। परिवार में माहौल शांतिपूर्ण रहेगा। स्वास्थ्य में पहले से सुधार आएगा, लेकिन सतर्क रहने की जरूरत है।

वृषभ: इस सप्ताह पारिवारिक कार्यो से भागदौड़ करनी पड़ेगी। परिवार के मांगलिक प्रसंग में जाने का अवसर आएगा। आर्थिक दृष्टि से लाभ की स्थिति में रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय उत्तम चलेगा। नौकरीपेशा लोगों को उच्चाधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी और इसका लाभ प्रमोशन के रूप में मिल सकता है। कोई पुराना मामला सप्ताह के अंत में दिक्कत दे सकता है।

मिथुन: इस सप्ताह आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि होगी। पैसों की आवक अच्छी होती रहेगी। भूमि, संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। भौतिक सुख सुविधाएं प्राप्त होंगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, बस बाहरी खानपान का ध्यान रखना है। संतुलित जीवन जीने का प्रयास करें। नौकरीपेशा को उन्नति मिलेगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

कर्क: मानसिक और शारीरिक रूप से थोड़ी परेशानी रहेगी। इस सप्ताह लंबी यात्राएं करने से बचें। धन हानि और दुर्घटना की आशंका है। सप्ताह के मध्य से जीवन को गति मिलेगी। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। फेफड़ों और श्वसन संबंधी परेशानी आ सकती है। परिवार में आपके निर्णय को सराहना मिलेगी। किसी प्रिय मित्र या स्वजन से भेंट हो सकती है।

सिंह : इस सप्ताह आप जो भी काम करें पूरे मन से करें, अन्यथा लाभ भी पूरा नहीं मिल पाएगा। व्यापारी या नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्य में पूर्ण सतर्कता रखनी होगी। प्रॉपर्टी के किसी दस्तावेज पर बिना सोचे-समझे साइन ना करें। कर्ज मुक्ति की स्थिति बन रही है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। नया कार्य प्रारंभ करने के लिए वक्त सही है।

कन्या : सप्ताह में पारिवारिक कार्यो से यात्राएं करनी पड़ेंगी। मांगलिक प्रसंगों में शामिल होंगे। छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेने की जरूरत नहीं है। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। इससे कर्ज मुक्ति की स्थिति भी बनेगी। कारोबारियों को कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। नौकरीपेशा को थोड़ी भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

तुला : इस सप्ताह आपके अटके हुए कार्यो को गति मिलेगी। नए कार्य-व्यवसाय की रूपरेखा बनेगी और उसे पूरा करने को आतुर रहेंगे। धन-संपत्ति के मामले सुलझेंगे। प्रेम संबंधों को लेकर सतर्क रहें। किसी से व्यर्थ विवाद न करें। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास बनाए रखें। पारिवारिक या कार्य के संबंध में यात्राएं करनी पड़ सकती हैं।

वृश्चिक : अपने सोचे मुताबिक काम नहीं होने से क्रोध आएगा। अटके हुए काम इस सप्ताह भी नहीं हो पाएंगे। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की, बिजनेस में लाभ होने के आसार बनेंगे। अविवाहितों के विवाह की बाधा दूर होगी। किसी प्रिय व्यक्ति से भेंट होगी। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

धनु : इस सप्ताह किसी स्वजन के कारण मानसिक तनाव हो सकता है। रोगों पर खर्च की आशंका भी है। बड़े कार्यो के लिए कर्ज भी लेना पड़ सकता है। नौकरी में तरक्की की संभावना है। कारोबारी अपने कार्य का विस्तार करेंगे। प्रेम संबंधों को लेकर सतर्क रहें, कोई धोखा कर सकता है। दांपत्य जीवन में अनावश्यक तनाव पैदा होगा।

मकर : सप्ताह की शुरुआत अच्छी होगी और इस पूरे सप्ताह आपको पारिवारिक मेलजोल में शामिल होना पड़ेगा। परिवार में मांगलिक प्रसंग होंगे। पारिवारिक कार्यो से मनोरंजक यात्राएं करेंगे। कारोबारियों के लिए समय आगे बढ़ने का है। नौकरीपेशा को अधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कुंभ : अटके हुए काम बनने के योग हैं। यदि किसी नए काम की योजना पहले से बना रखी है तो उसे पूरा करने में जुट जाएं। समय ठीक है। दांपत्य जीवन में चल रहा मनमुटाव दूर होगा। स्वजन से आपसी प्रेम में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। प्रॉपर्टी और वाहन खरीदने के योग बनेंगे। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन : यात्राओं पर व्यय होगा। पारिवारिक और प्रोफेशनल लाइफ में तालमेल बनाकर चलना होगा। स्वजन से मनमुटाव हो सकता है। नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। आय के एक से अधिक साधन प्राप्त रहेंगे। प्रॉपर्टी से लाभ कमाएंगे। बीमा-निवेश आदि से लाभ की संभावना है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। किसी प्रियजन से भेंट हो सकती है।

चुटकुले

**सोनू मोनू बात कर रहे थे
तभी उसी दौरान मोनू ने एक सवाल पूछा कि बीवी क्या है?
उसका जवाब देते हुए सोनू ने कहा-
बीवी उस शक्ति का नाम है जिसके एक बार आंख दिखाने से ही
लौकी की सब्ज़ी में कढ़ाई पनीर का स्वाद आने लगता है...**

**साली ने जीजा से पूछा - जीजा जी, क्या आप जर्मन भाषा पढ़ सकते हो?
जीजा ने कहा - क्यों नहीं, बिल्कुल पढ़ सकता हूं
साली - वो कैसे जीजा जी?
जीजा - साली जी, बस अगर जर्मन भाषा हिंदी या अंग्रेजी में लिखी हो तब पढ़ सकता हूं।**

प्रोड्यूसर संजय सुन्ताकर की कॉमेडी फिल्म 3 श्याने का ट्रेलर व म्यूज़िक हुआ रिलीज

ग्रैंड फंक्शन में असरानी, देव शर्मा, हीरोइन अनुप्रिया लक्ष्मी कटोच, प्रियांशु चटर्जी, अर्जुमंद मुगल, राकेश बेदी, हिना पंचाल सहित कई कलाकार नजर आए

प्रोड्यूसर संजय सुन्ताकर, निर्देशक अनीस बारुदवाले की कॉमेडी फिल्म 3 श्याने का ट्रेलर और म्यूज़िक लांच मुम्बई के पीवीआर आइकॉन में सम्पन्न हुआ इस मौके पर लिजेंड्री ऐक्टर असरानी मौजूद रहे जिन्होंने इस फ़िल्म में अहम भूमिका निभाई है। वहीं फ़िल्म के हीरो देव शर्मा और हीरोइन अनुप्रिया लक्ष्मी कटोच भी इस अवसर पर मौजूद रहे। इस कॉमेडी फिल्म के बाकी कलाकार प्रियांशु चटर्जी, राकेश बेदी, अर्जुमंद मुगल, निशांत तंवर और कुणाल सिंह राजपूत के अलावा हिना पंचाल इत्यादि भी यहां उपस्थित रहे। संगीतकार विक्रम एन विक्रम, सिंगर ऋतु पाठक भी यहां थे।जब फ़िल्म का ट्रेलर दिखाया गया तो सभी ने इसे खूब पसंद किया और सभी गाने को भी लोगों ने सराहा।इस मौके पर केक काटकर निर्माता संजय सुन्ताकर का जन्मदिन भी मनाया गया।फ़िल्म के प्रोड्यूसर संजय सुन्ताकर ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी जल्दी सफलता पाने के लिए शॉर्टकट रास्ते अपनाती है। हमारी फ़िल्म 3 श्याने की कहानी भी ऐसे ही तीन युवाओं की है जो रातों रात कामयाबी हासिल करने के लिए ग़लत रास्तों पे चले जाते हैं। बाद में कहानी में क्या मोड़ आता है, उसके लिए आपको फ़िल्म देखनी होगी जो अगले माह मई के अंतिम सप्ताह में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि प्रोड्यूसर संजय वाई सुन्ताकर की इस कॉमेडी फिल्म में यारियां फेम देव शर्मा, अनुप्रिया लक्ष्मी कटोच, असरानी, ज़रीना वहाब, मुकेश खन्ना, प्रियांशु चटर्जी, टिकु तलसानिया, राकेश बेदी, वृजेश हिरजी, हिमानी शिवपुरी, अर्जुमंद मुगल, निशांत तंवर और कुणाल सिंह राजपूत इत्यादि नज़र आयेंगे।फ़िल्म के लेखक निर्देशक अनीस बारुदवाले ने बताया कि 3 श्याने एक कॉमेडी फिल्म है लेकिन इसमें एक सामाजिक संदेश भी है. फ़िल्म के द्वारा युवाओं को यह सन्देश देने का प्रयास किया गया है कि ज़िंदगी में रातों रात दौलतमंद बनने के लिए शॉर्टकट रास्ते नहीं अपनाने चाहिए. फ़िल्म के निर्माता संजय सुन्ताकर हैं. ए ए देसाई के कांसेप्ट पर बनी फिल्म एसएसएस फिल्म्स इंटरनेशनल -333 के बैनर तले रिलीज के लिए तय्यार है। विक्रम तनहा द्वारा लिखे गीतों को विक्रम एन विक्रम ने संगीत से सजाया है. फ़िल्म के गाने जावेद अली, ऋतु पाठक, बृजेश शांडिल्य और अर्पिता चक्रवर्ती ने गाए हैं। फ़िल्म 3 श्याने की वर्ल्डवाइड मार्केटिंग, डिस्ट्रीब्यूशन लाइफलाइन इंटरप्राइजेज के द्वारा किया जा रहा है जबकि प्रोमोशन और पब्लिसिटी फार्च्यून लाइफलाइन मीडिया ऐंड एंटरटेनमेंट के द्वारा की जा रही है।

सावधान: अगर आपके मोबाइल में भी हैं ये चार एप तो तुरंत हटा दें, वरना पलक झपकते खाली हो सकता है बैंक खाता

आज के समय में आप जिसके हाथ में भी देखेंगे, आपको मोबाइल फोन नजर आएगा। बच्चे लेकर युवा और बुजुर्ग तक, हर कोई मोबाइल का इस्तेमाल कर रहा है। इसके जरिए लोग न सिर्फ एक-दूसरे से बात कर पाते हैं बल्कि अपने कई काम भी कर लेते हैं।

मोबाइल की मदद से आप अपने कई काम एक क्लिक में कर लेते हैं। कॉल करने के लिए, नेट बैंकिंग के लिए, घर बैठे खरीदारी करने के लिए, गेम खेलने के लिए आदि नाजाने कितने काम मोबाइल के जरिए हो जाते हैं। वहीं, इन सब कामों को करने के लिए स्मार्टफोन में एप की जरूरत पड़ती है, जिन्हें आप प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ एप ऐसे हैं जो आपके मोबाइल के लिए खतरनाक हो सकते हैं? शायद नहीं, लेकिन जालसाजों ने कुछ ऐसे एप तैयार किए हैं जिनके जरिए वो आपकी बैंकिंग जानकारी चुराकर लोगों को चपत लगाने का काम करते हैं। तो चलिए जानते हैं कि वो कौन से एप हैं, जिन्हें आपको अपने मोबाइल से तुरंत हटा देना चाहिए।

इस तरह के एप से बचकर रहें:-

मुफ्त वाले एंटी वायरस

लोग अपने मोबाइल को सुरक्षित रखने के लिए कई तरह के मुफ्त में मिलने वाले एंटी वायरस एप इंस्टॉल करते हैं। जबकि ये एप आपके मोबाइल में खतरा बढ़ा सकते हैं। इसलिए, इन एप को डाउनलोड करने से बचें, नहीं तो ये आपके मोबाइल को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

फ्लैश लाइट एप

कई लोग अपने मोबाइल में अलग से फ्लैश लाइट एप डाउनलोड कर लेते हैं, जिसमें कई तरह के फीचर मौजूद होते हैं। लेकिन आप शायद ये नहीं जानते होंगे की ये एप आपकी कई गोपनीय जानकारी चुराकर इनका गलत इस्तेमाल तक करते हैं। इसलिए इन्हें डाउनलोड करने से बचें।

कीबोर्ड एप

आप जब मोबाइल खरीदते हैं, तो उसमें पहले से कीबोर्ड मौजूद होता है। हालांकि, ये नॉर्मल कीबोर्ड होता है जिसके कारण लोग अपने मोबाइल में अलग से कीबोर्ड जोड़ते हैं। लोग ऐसा इसलिए करते हैं, ताकि उन्हें नए इमोजी और नए राइटिंग स्टाइल वाले कीबोर्ड मिल पाए।

लेकिन लोग ये भूल जाते हैं कि जो कीबोर्ड एप वो अलग से अपने मोबाइल में इंस्टॉल करते हैं, वो उनके आईडी पासवर्ड जैसी चीजें चुरा सकती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप इस तरह की एप से बचकर रहे हैं।

क्लीनर एप

जितना ज्यादा हम अपने मोबाइल को इस्तेमाल करते हैं, उतने ही इसमें कैशे और जंक फाइल आ जाते हैं। ऐसे में इन्हें हटाना भी जरूरी होता है, ताकि मोबाइल की स्पीड बढ़ पाए। लेकिन कई बार लोग इसके लिए कई तरह के एप इंस्टॉल कर लेते हैं, जो पहले को आपसे आपके फोन की कई चीजों की परमिशन मांगते हैं। फिर इसके बाद ये आपकी नाक के नीचे से आपकी जानकारियां चुराते हैं।

दहेज हत्या : गर्भवती पत्नी को एसिड पीने को मजबूर किया, मौत होने के बाद पति फरार हो गया

पुलिस के अनुसार यह दुखद घटना वरणी मंडल के राजपेट थांडा में बुधवार को हुई। आरोपी तरुण की चार साल पहले मृतका कल्याणी से शादी हुई थी।

तेलंगाना के निजामाबाद जिले में एक गर्भवती महिला को दहेज के लोभी उसके पति ने एसिड पीने को मजबूर कर दिया। जब पत्नी की मौत हो गई तो पति घर से भाग निकला। पुलिस के अनुसार यह दुखद घटना वरणी मंडल के राजपेट थांडा में बुधवार को हुई। आरोपी तरुण की चार साल पहले मृतका कल्याणी से शादी हुई थी। तीन माह पहले जब कल्याणी गर्भवती हुई तो तरुण ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। वह अपने मायके वालों से और पैसा व दहेज लाने की मांग करने लगा। मंगलवार को भी पति-पत्नी के बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान तरुण ने कल्याणी को एसिड पीने के लिए मजबूर कर दिया। जब कल्याणी की हालत बिगड़ने लगी तो परिजन उसे इलाज के लिए निजामाबाद के सरकारी अस्पताल लेकर गए। बुधवार को उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद कल्याणी के रिश्तेदारों ने आरोपी तरुण के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने उसे एसिड पीने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भादंवि की धारा 302, 304 बी व 498 ए के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपी को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

गर्मी की मार, बिजली संकट से हाहाकार : दिल्ली मेट्रो और अस्पतालों पर भी आएगी आंच, कोयले की किल्लत से बढ़ी दिक्कत, जानिए राज्यों का हाल

प्रचंड गर्मी के बीच बिजली की भारी मांग से देश के अनेक राज्यों में बिजली संकट दिनोंदिन गहरा रहा है। दिल्ली सरकार ने केंद्र को चेताया है कि बिजली की कमी का असर मेट्रो व अस्पतालों के संचालन पर पड़ सकता है। कई राज्यों में बिजली की मांग व आपूर्ति में भारी अंतर होने से घंटों कटौती की जा रही है।

दिल्ली : 6000 मेगावाट तक पहुंची मांग, सरकार ने खड़े किए हाथ

दिल्ली में पारा चढ़ने के साथ ही बिजली की मांग भी बढ़ती जा रही है। चालू माह में पहली बार मांग 6000 मेगावाट तक पहुंच गई। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) के अनुसार बुधवार को मांग 5,769 मेगावाट थी, जो गुरुवार को 3.7 फीसदी और बढ़ गई। दिल्ली में बिजली की मांग महीने की शुरूआत के बाद से 34 प्रतिशत बढ़ गई है। एक अप्रैल को बिजली की मांग 4,469 मेगावाट थी। दिल्ली में इस साल रिकॉर्डतोड़ गर्मी पड़ रही है। इस कारण लोग अपने घरों और ऑफिसों में कूलर-एसी का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं और इसका सीधा असर बिजली की खपत पर पड़ा रहा है। अधिकारी के मुताबिक इस साल अधिकतम मांग 8200 मेगावाट तक रह सकती है।

दिल्ली के ऊर्जा मंत्री ने केंद्र को लिखा पत्र

दिल्ली के ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने पर्याप्त कोयला आपूर्ति को लेकर केंद्र को पत्र लिखा है। इसमें लिखा गया है कि दादरी-राष्ट्रीय राजधानी पावर स्टेशन और फिरोज गांधी ऊंचाहार थर्मल पावर प्लांट से बिजली आपूर्ति बाधित होने से दिल्ली मेट्रो, अस्पतालों समेत कई जरूरी संस्थानों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति में दिक्कत हो सकती है।

पंजाब : मांग 7500 मेगावाट की, उपलब्धता 4400 की, उद्योगों को घंटों कटौती

पंजाब में भी बिजली का संकट लगातार गहरा रहा है। गुरुवार को राज्य में 7500 मेगावाट की अधिकतम मांग के मुकाबले उपलब्धता केवल 4400 मेगावाट की रही। पावरकॉम ने महंगे दाम में बाहर से बिजली खरीदी, लेकिन यह नाकाफी थी। उद्योगों को साढ़े छह घंटे तक की कटौती का सामना करना पड़ा। वहीं गांवों में 12 से 13 घंटे और शहरों में तीन से चार घंटे की कटौती से लोग बेहाल हो उठे। पावरकॉम ने अपनी रोपड़ की दो व लहरा मुहब्बत की चार यूनिटों से

1163 मेगावाट, राजपुरा की तीन, तलवंडी साबो की एक और गोइंदवाल की एक यूनिट से 2186 मेगावाट बिजली प्राप्त की। हाइडल प्रोजेक्ट से 509 मेगावाट व अन्य सभी स्रोतों को मिलाकर करीब 4400 मेगावाट बिजली ही मिली। पावरकॉम ने बाहर से 2400 मेगावाट बिजली खरीदी भी की, लेकिन 700 मेगावाट बिजली की कमी के चलते पावरकॉम ने उद्योगों, शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में कटौती की। गुरुवार को रोपड़ प्लांट में आठ, लहरा में चार, राजपुरा में 18, तलवंडी साबो में छह और गोइंदवाल में दो दिनों का कोयला शेष बचा था। देश के सभी राज्यों में बिजली की मांग में वृद्धि के कारण अब पावरकॉम को चाहकर भी पूरी बिजली बाहर से नहीं मिल पा रही है। इससे आने वाले धान के सीजन में पंजाब में बिजली की भारी किल्लत पैदा हो सकती है।

भलस्वा कूड़ा स्थल पर आग मामले में DPCC की कार्रवाई; दिल्ली नगर निगम पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (DPCC) ने भलस्वा कूड़ा डलान स्थल पर आग को रोकने के लिए उचित कदम नहीं उठाने को लेकर उत्तर दिल्ली नगर निगम पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अधिकारियों ने बताया गुरुवार को कहा कि भलस्वा कूड़ा डलान पर आग लगने के बावजूद लापरवाही बरती गई। इससे पहले पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने DPCC से घटना की जांच करने और 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट सौंपने को कहा था।

हरियाणा के झज्जर की एक फैक्ट्री में अमोनिया गैस का रिसाव

हरियाणा के झज्जर में गुरुवार रात एक फैक्ट्री से अचानक अमोनिया गैस रिसाव होने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी का महौल बन गया। हादसे के बाद कई लोगों को सांस लेने में दिक्कतें आने लगी। कई लोगों को उल्टी की शिकायत मिलने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। फैक्ट्री से पूरे स्टाफ को निकाल लिया गया है। मौके पर मौजूद फायर सर्विस की गाड़ियों ने इलाके में पानी का छिड़काव किया, जिससे गैस के प्रभाव को कम किया जा सके। जानकारी के मुताबिक कत्था बनाने वाली फैक्ट्री के टैंक पाईप से गैस का रिसाव हुआ। मौके पर पुलिस-प्रशासन के अधिकारी पहुंचे।

PM मोदी ग्लोबल पाटीदार बिजनेस समिट का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज को गुजरात के सूरत में तीन दिवसीए ग्लोबल पाटीदार बिजनेस समिट (GPBS) का उद्घाटन करेंगें। मिशन 2026 के तहत सरदारधाम इसका आयोजन कर रहा है, जिसका उद्घाटन पीएम मोदी दोपहर 12 वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए करेंगे। कार्यक्रम का उदेश्य पाटीदार समुदाय के सामाजिक और आर्थिक विकास को गति प्रदान करना है।

PM मोदी बेंगलुरु में सेमीकॉन इंडिया सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज बेंगलुरु में तीन दिवसीए सेमीकॉन इंडिया सम्मेलन 2022 का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत को ग्लोबल सेमी सेमीकन्डेक्टर हब बनाने और चिप डिजाइन और कई क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यो में तेजी लाना है, जिसके तहत इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

विपक्ष की तुलना में भाजपा शासित राज्यों में कितना सस्ता-महंगा है पेट्रोल, केंद्र या राज्य किसकी कमाई ज्यादा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा है। प्रधानमंत्री ने बुधवार को मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में कहा कि पिछले साल नवंबर में केंद्र ने उत्पाद शुल्क में कटौती की थी और राज्य सरकारों से भी वैट कम करने का आग्रह किया था। लेकिन कई राज्यों ने इस पर ध्यान नहीं दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे जनता के साथ अन्याय बताया।

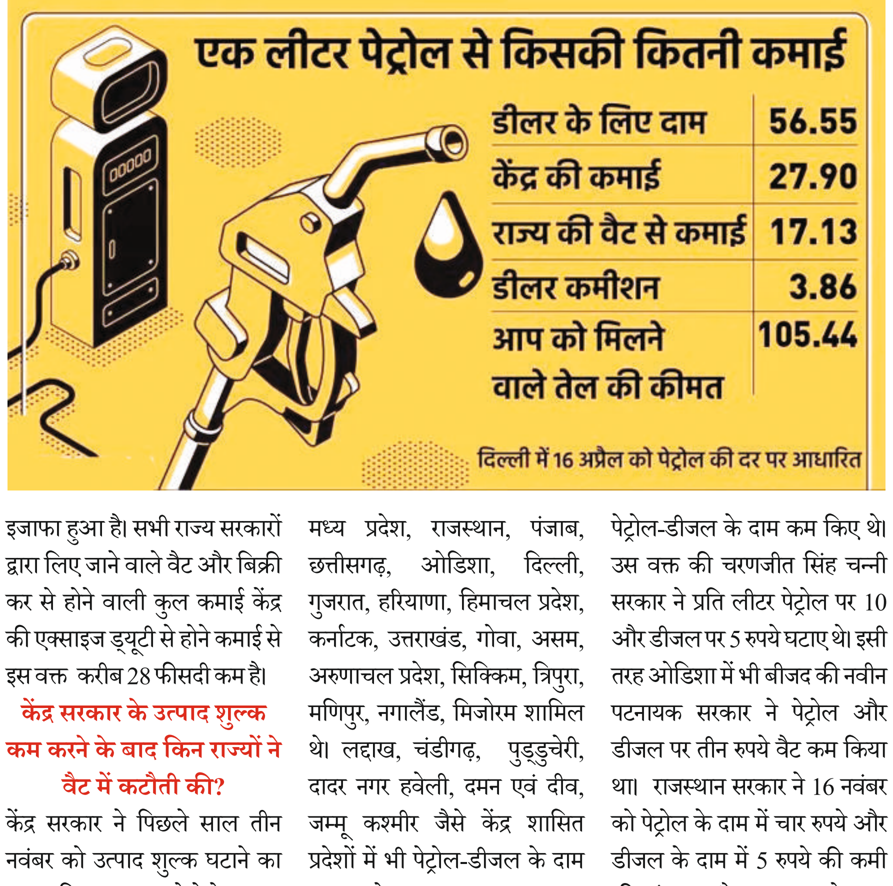

आइये जानते हैं नवंबर में केंद्र सरकार के उत्पाद शुल्क कम करने के बाद किन राज्यों ने वैट में कटौती की? जिन राज्यों ने वैट में कटौती की थी वहां इस वक्त पेट्रोल-डीजल की कीमतें क्या हैं? जिन राज्यों ने वैट कम नहीं किया वहां पेट्रोल की कीमत कितनी है? जिन राज्यों का प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधिन में जिक्र किया वहां कितनी हैं कीमतें हैं? क्या राज्य सरकारों द्वारा लिया जाने वाला टैक्स केंद्र के उत्पाद शुल्क से ज्यादा है?

पेट्रोल-डीजल से हर साल सरकारों को कितनी कमाई होती है?

पेट्रोल और डीजल से सरकारों की कमाई हर साल बढ़ रही है। चाहे केंद्र हो या राज्यों की सरकार पिछले सात साल में दोनों की आय में भारी इजाफा हुआ है। सभी राज्य सरकारों द्वारा लिए जाने वाले वैट और बिक्री कर से होने वाली कुल कमाई केंद्र की एक्साइज ड्यूटी से होने कमाई से इस वक्त करीब 28 फीसदी कम है।

केंद्र सरकार के उत्पाद शुल्क कम करने के बाद किन राज्यों ने वैट में कटौती की?

केंद्र सरकार ने पिछले साल तीन नवंबर को उत्पाद शुल्क घटाने का एलान किया। सरकार ने पेट्रोल पर 5 रुपये और डीजल पर 10 रुपये उत्पाद शुल्क घटाया। केंद्र के एलान के बाद 20 राज्यों और छह केंद्र शासित प्रदेशों में वैट कम किया गया था। इनमें सभी भाजपा शासित राज्य शामिल थे। जिन राज्यों में वैट कम किया गया उनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, उत्तराखंड, गोवा, असम, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर, नगालैंड, मिजोरम शामिल थे। लद्दाख, चंडीगढ़, पुड्डुचेरी, दादर नगर हवेली, दमन एवं दीव, जम्मू कश्मीर जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में भी पेट्रोल-डीजल के दाम कम हुए थे।

क्या किसी गैर भाजपा शासित राज्य ने भी कम की थी कीमतें?

भाजपा शासित राज्यों के साथ ही कुछ गैर भाजपा शासित राज्यों ने भी नवंबर-दिसंबर में पेट्रोल डीजल पर कर कम के दाम घटाए थे। पंजाब में उस वक्त की कांग्रेस सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम कम किए थे। उस वक्त की चरणजीत सिंह चन्नी सरकार ने प्रति लीटर पेट्रोल पर 10 और डीजल पर 5 रुपये घटाए थे। इसी तरह ओडिशा में भी बीजद की नवीन पटनायक सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर तीन रुपये वैट कम किया था। राजस्थान सरकार ने 16 नवंबर को पेट्रोल के दाम में चार रुपये और डीजल के दाम में 5 रुपये की कमी की। पंजाब और राजस्थान के बाद एक और कांग्रेस शासित राज्य छत्तीसगढ़ में भी 22 नवंबर 2021 को पेट्रोल पर एक फीसदी और डीजल पर 2 फीसदी वैट कम कर दिया गया। इस फैसले के बाद राज्य में पेट्रोल 90 पैसे और डीजल 1.45 रुपये प्रति लीटर सस्ता हुआ। करीब एक महीने बाद राजधानी दिल्ली में भी दिसंबर में वैट कम कर दिया गया। पेट्रोल पर लगने वाला 30 फीसदी वैट घटकर 19.4 फीसदी कर दिया गया।

जिन राज्यों ने वैट में कटौती की थी वहां इस वक्त पेट्रोल-डीजल की कीमतें क्या हैं?

केंद्र सरकार ने पिछले साल बढ़ती कीमतों के बीच पेट्रोल-डीजल से एक्साइज ड्यूटी घटाई थी। तीन साल में पहली बार ऐसा हुआ। नवंबर में मिली राहत के बाद 137 दिन तक पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े। 3 नवंबर को हुई कमी के बाद 22 मार्च से एक बार फिर कीमतें बढ़ने लगीं। महज 16 दिन में 14 बार कीमतों में इजाफा हुआ और सभी राज्यों में दाम एक बार फिर नवंबर में सरकारी राहत मिलने के पहले के स्तर के करीब पहुंच चुके हैं। वहीं, जिन राज्यों ने वैट में कटौती नहीं की वहां, कीमतें नवंबर के स्तर से पांच से छह रुपये ज्यादा हो चुकी हैं।

किन राज्यों में कम नहीं हुआ वैट?

प्रधानमंत्री ने पेट्रोल डीजल के ज्यादा दाम होने को लेकर कई गैर भाजपा शासित राज्यों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तमिलनाडु और केरल ने किसी-न-किसी कारण से केंद्र सरकार की अपील नहीं मानी, इन राज्यों के नागरिकों पर बोझ पड़ता रहा। प्रधानमंत्री ने पेट्रोल डीजल के ज्यादा दाम होने को लेकर कई गैर भाजपा शासित राज्यों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तमिलनाडु और केरल ने किसी-न-किसी कारण से केंद्र सरकार की अपील नहीं मानी, इन राज्यों के नागरिकों पर बोझ पड़ता रहा। मोदी ने उदाहरण दिया, मुंबई में 120 रुपये लीटर पेट्रोल है, जबकि पड़ोस के केंद्र शासित प्रदेश दमन दीव में 102 रुपये है। तमिलनाडु में 111 तो जयपुर में 118 रुपये लीटर है। केंद्र और राज्यों की सरकारों के लिए उत्पाद शुल्क और वैट राजस्व का अहम स्रोत है। यही वजह है कि सरकारें इसे कम करने से कतराती रहती हैं। केंद्र सरकार के कुल राजस्व का करीब 20 फीसदी हिस्सा पेट्रोल-डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी का होता है। वहीं, राज्यों की बात करें तो उनकी कमाई का 25 से 35 फीसदी तक पेट्रोल-डीजल और शराब पर लगने वाले कर से आता है। सिर्फ दिल्ली की बात करें तो केंद्र और राज्य मिलाकर पेट्रोल पर करीब 43 फीसदी और डीजल पर करीब 37 फीसदी कर लेते हैं।

कोलकाता की हार के दोषी रसेल

अहम मोड़ पर शून्य पर आउट हुए, गेंदबाजी में एक ही ओवर में 14 रन दे दिए

IPL 2022 में पिछले साल की रनर-अप कोलकाता नाइट राइडर्स 9 में से 6 मैच हार चुकी है। टीम के ऊपर प्लेऑफ से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है। गुरुवार को टूर्नामेंट के 41वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने KKR को 4 विकेट से हराया। कोलकाता की इस हार के मुजरिम और कोई नहीं, बल्कि स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल रहे।

बल्ले से नहीं बनाया एक भी रन

आंद्रे रसेल कोलकाता की पारी के 14वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए आए। उस समय आधी टीम केवल 83 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुकी थी। ऐसे में टीम को रसेल से बड़ी और जिम्मेदार पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह 3 गेंदों में बिना खाता खोले अपना विकेट गंवा बैठे।

रसेल को कुलदीप यादव ने आउट किया। कुलदीप ने चौथे स्टंप पर गुगली डाली थी, जिस पर रसेल आगे बढ़कर हवाई शॉट खेलना चाहते थे। लेकिन गेंद घूमी, बाहर निकली और रसेल को बीट करते हुए विकेट के पीछे ऋषभ पंत के पास जा पहुंची। हालांकि, ऋषभ गेंद को पकड़ नहीं पाए, लेकिन गेंद उनके दस्तानों से लगकर स्टंप्स पर जा लगी और रसेल शून्य पर पवेलियन लौटे।

एक ओवर में दिए 14 रन

मैच में आंद्रे रसेल को केवल एक ही ओवर करने का मौका मिला और उसमें भी उन्होंने 14 रन दे डाले। रसेल दिल्ली की पारी के 15वें ओवर में बॉलिंग करने आए। उस समय DC का स्कोर 14 ओवर में 99/5 था। रसेल के ओवर की पहली गेंद पर अक्षर पटेल ने मिड विकेट पर चौका जड़ा और दूसरी गेंद को बैकवर्ड पॉइंट्स के ऊपर से छक्के के लिए मैदान से बाहर पहुंचा दिया। इस ओवर से दिल्ली ने एक बार फिर मुकाबले में वापसी कर ली थी।

टीम को मिली 4 विकेट से हार

41वें मैच में दिल्ली के सामने 147 रन का टारगेट था, जिसे टीम ने 18वें ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। डेविड वार्नर (42) टॉप स्कोरर रहे, जबकि छक्का लगाकर DC की जीत को पक्का करने वाले रोवमैन पॉवेल 16 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाए। कोलकाता की ओर से उमेश यादव के खाते में 3 विकेट आए।

इससे पहले टॉस हारकर बैटिंग करते हुए KKR ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 146 का स्कोर बनाया। नीतीश राणा ने सबसे ज्यादा 57 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान श्रेयस अय्यर ने 42 रन बनाए। DC की ओर से कुलदीप यादव ने 4 और मुस्तफिजुर रहमान ने 3 विकेट लिए थे।

IPL सबसे तेजी से बढ़ने वाली लीग:सालाना ग्रोथ रेट 24%, वैल्यू नए मीडिया राइट्स के बाद 1,000 करोड़ डॉलर पार होने की उम्मीद

IPL निवेशकों के लिए सोने की खान रही है। कई बड़ी कंपनियां ग्रोथ को देखते हुए इसमें निवेश कर रही हैं। इसलिए टीमों की वैल्यू भी लगातार बढ़ रही है। इस क्रिकेट लीग के लॉन्च होने के बाद 2009 में जब फोर्ब्स ने टीमों की वैल्यूएशन की थी, तब 8 फ्रेंचाइजी की औसत वैल्यू करीब 67 मिलियन डॉलर (करीब 515 करोड़ रु.) थी। इस बार टीमों की संख्या 8 से बढ़ाकर 10 हुई, तब फिर फोर्ब्स ने इनकी वैल्यूएशन की, जो 1.04 बिलियन डॉलर (करीब 7965 करोड़ रु.) तक पहुंच गई। टीमों के वैल्यूएशन की सालाना ग्रोथ रेट 24% रही। मुंबई इंडियंस सबसे मूल्यवान IPL टीम रही, जिसकी वैल्यू 9960 करोड़ रुपए आंकी गई।

IPL ने वैल्यूएशन में अमेरिकी बास्केटबॉल लीग और फुटबॉल लीग को पछाड़ा फोर्ब्स ने IPL को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली लीग माना। इसकी ग्रोथ सबसे बड़ी बास्केटबॉल लीग NBA और अमेरिका की फुटबॉल लीग NFL की ग्रोथ से ज्यादा रही। IPL की मौजूदा वैल्यू करीब 7 बिलियन डॉलर (करीब 53,610 करोड़ रु.) है। नए मीडिया राइट्स के बाद इसके 10 बिलियन डॉलर (करीब 76590 करोड़ रु.) को पार करने की उम्मीद है। मीडिया राइट्स के टेंडर डॉक्युमेंट्स 10 मई तक खरीदे जा सकते हैं। इसके बाद करीब एक महीने तक जमा किए गए डॉक्युमेंट्स की जांच होगी और जून के दूसरे सप्ताह में नीलामी जीत कर राइट्स हासिल करने वाली कंपनियों के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। BCCI इस बार मीडिया राइट्स के चार अलग-अलग बकेट की नीलामी कर रहा है। पहला बकेट भारतीय उपमहाद्वीप में टीवी राइट्स का है। दूसरा बकेट डिजिटल राइट्स का है। तीसरे बकेट में 18 मैच शामिल किए गए हैं। इन 18 मैचों में सीजन का पहला मैच, वीकएंड पर होने वाले हर डबल हेडर में शाम वाला मैच और चार प्लेऑफ मुकाबलों को रखा गया है। चौथे बकेट में भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर के प्रसारण अधिकार शामिल हैं।

नीलामी के लिए चार हिस्से

पहला	दूसरा	तीसरा	चौथा
भारतीय उपमहाद्वीप में टीवी राइट्स (सभी मैच)	भारतीय उपमहाद्वीप में डिजिटल राइट्स (सभी मैच)	भारतीय उपमहाद्वीप में डिजिटल राइट्स (चुनिंदा मैच)	भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर के प्रसारण अधिकार (सभी मैच)
तीसरे बकेट में कुल 18 मैच	सीजन का पहला मैच (1)	प्लेऑफ गेम्स (4)	दो मैच वाले दिन के शाम वाले मैच (13)

बेन स्टोक्स बने इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान

79 टेस्ट मैच में बना चुके हैं 5 हजार से ज्यादा रन, साथ ही उनके नाम 174 विकेट

हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स को इंग्लैंड टीम का नया टेस्ट कप्तान चुन लिया गया है। जो रूट के कप्तानी छोड़ने के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने यह फैसला किया है।79 टेस्ट मैच खेल चुके स्टोक्स ने 146 पारियों में 35.89 की औसत से 5,061 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सबसे बड़ा स्कोर 258 रन रहा है।

स्टोक्स ने अपने करियर में 11 शतक, 1 दोहरा शतक और 26 अर्धशतक भी लगाए हैं। बतौर गेंदबाज उन्होंने 174 विकेट चटकाए हैं। फिलहाल स्टोक्स ICC की बल्लेबाजी रैंकिंग में 28वें और गेंदबाजी रैंकिंग में 41वें स्थान पर है। स्टोक्स इयान बॉथम के बाद इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बनने वाले दूसरे ऑलराउंडर हैं।

स्टोक्स ने रूट को आगे के लिए बताया महत्वपूर्ण सहयोगी

स्टोक्स ने कप्तान बनने के बाद कहा कि जो रूट ने इंग्लिश क्रिकेट के लिए जो कुछ भी किया है, मैं उसके लिए उनका धन्यवाद देना चाहता हूं। वह हमेशा दुनिया भर में खेल के महान राजदूत बने रहे। रूट ड्रेसिंग रूम में एक लीडर के रूप में मेरे विकास का एक बड़ा हिस्सा रहे हैं, और वो इस भूमिका में मेरे लिए महत्वपूर्ण सहयोगी बने रहेंगे। मॉडर्न डे क्रिकेट में स्टोक्स को सबसे आक्रामक ऑलराउंडर के तौर पर जाना जाता है।

स्टोक्स अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दम पर किसी भी समय निकालने का रुख बदल सकते हैं। रूट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1-0 से सीरीज हारने के बाद कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। दरअसल उन्हें ऑस्ट्रेलिया के साथ एशेज सीरीज में 4-0 से मिली शर्मनाक हार के बाद से ही आलोचनाओं का सामना करना पड़ा रहा था।

टीम के नए डायरेक्टर ने जताई इंग्लिश क्रिकेट को नए युग में ले जाने की ख्वाहिश

इंग्लैंड के पुरुष क्रिकेट के नए डॉयरेक्टर रॉब की ने कहा, "मुझे बेन को टेस्ट कप्तान की भूमिका की पेशकश करने में कोई हिचकिचाहट नहीं थी। वो उस मानसिकता और नजरिये का प्रतीक है, जिससे हम इस टीम को टेस्ट क्रिकेट के अगले युग में आगे ले जाना चाहते हैं।" इंग्लैंड के स्थायी कप्तान के रूप में स्टोक्स का पहला मैच 2 जून को लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में होगा।

PAK में चीनियों का जीना मुहाल: बलोचियों ने 9 महीने में 15 चीनी मारे; जानिए क्या है BLA और मजीद ब्रिगेड

निशाने पर चीनी अफसर

पिछले साल क्वेटा के 5 स्टार होटल में 2 हमले | दासू प्रोजेक्ट पर हमला, 9 चीनी इंजीनियरों की मौत | अब तीन चीनी महिला प्रोफेसर मारी गईं

पाकिस्तान की कराची यूनिवर्सिटी में मंगलवार को महिला फिदायीन के हमले में 3 चीनी महिला प्रोफेसर्स मारी गईं। इसके बाद चीन ने सख्त रुख अपनाया। नए नवेले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ आधी रात को दौड़े-दौड़े चीन की इस्लामाबाद में मौजूद एम्बेसी पहुंचे और हाथ बांधकर किसी मुजरिम की तरह बातें सुनते रहे। हमले की जिम्मेदारी उसी बलोच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने ली, जो पहले भी इस तरह के हमलों को अंजाम दे चुकी है और इनमें 15 चीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। एक तरफ, चीन और पाकिस्तानी फौज है तो दूसरी तरफ BLA है। बलूचियों की मांगों का समर्थन कई देश कर चुके हैं, लेकिन उसके तौर-तरीकों पर सवालिया निशान हैं। आइए इस विवाद को समझने की कोशिश करते हैं।

बलूचिस्तान और BLA

बलूचिस्तान के नागरिक 1947-1948 से ही खुद को पाकिस्तान का हिस्सा नहीं मानते। इसके बावजूद किसी तरह वो पाकिस्तान के नक्शे पर मौजूद रहे। उन्हें दोयम दर्जे नागरिक माना जाता रहा। पंजाब, सिंध या खैबर पख्तूनख्वा की तरह उन्हें कभी अपने जायज हक भी नहीं मिले। वक्त गुजरता रहा और इसके साथ ही गुस्सा भी बढ़ता गया।

1975 में तब के प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो एक रैली के लिए क्वेटा पहुंचे। यहां एक हैंड ग्रेनेड फटने से मजीद लांगो नाम के युवक की मौत हो गई। दावा किया गया कि यह भुट्टो को मारने आया था। वास्तव में BLA की नींव यहीं से पड़ी। मजीद के छोटे भाई का नाम भी मजीद ही था। वो 2011 में पाकिस्तानी फौज के हाथों मारा गया। इसके बाद BLA का एक अलग दस्ता तैयार हुआ और इसका नाम मजीद ब्रिगेड पड़ा।

BLA और मजीद ब्रिगेड कितने अलग

बलूचिस्तान का ईरान के साथ स्ट्रॉन्ग कनेक्शन रहा है। जैसे पाकिस्तान तालिबान खुद को पाकिस्तानी से ज्यादा अफगानी मानते हैं, वैसे ही बलूचिस्तान के ज्यादातर लोग ईरान के करीब हैं। ईरान भी चोरी छिपे इनकी मदद करता रहा है।

यहां एक बात और समझनी जरूरी है। वो ये कि BLA का शुरुआती संघर्ष पहाड़ों में शांतिपूर्ण आंदोलन तक सीमित था। जब मजीद ब्रिगेड बनी तो मामला सीधे तौर पर हिंसक हो गया। एक अनुमान के मुताबिक, मजीद ब्रिगेड के हमलों में अब तक करीब 1200 पाकिस्तानी फौजी मारे जा चुके हैं, हालांकि फौज ने सही तादाद कभी नहीं बताई।

घुटने टेक रही पाकिस्तानी फौज

हालिया वक्त में मजीद ब्रिगेड और BLA के सामने पाकिस्तानी फौज निकम्मी साबित हुई है। उसे हर लेवल पर जबरदस्त नुकसान उठाना पड़ा। मजीद ब्रिगेड की ताकत दो वजहों से ज्यादा हो गई है। पहली- दूसरे देशों में मौजूद बलोच नागरिक और ईरान से फंडिंग मिलती है। दूसरी- इसके लड़ाके काफी पढ़े लिखे और हाईटेक हैं। पिछले दिनों आर्मी डिपो पर हमले में 22 सैनिक मजीद ब्रिगेड का शिकार बने थे। जांच में पता चला कि पाकिस्तानी फौज का पूरा मूवमेंट मजीद ब्रिगेड की टेक्निकल यूनिट ट्रैक कर रही थी। अब सवाल यह उठता है कि आखिर BLA और खासतौर पर मजीद ब्रिगेड चीन और चीनियों के पीछे क्यों पड़ा है? इस सवाल का एक बहुत छोटा सा जवाब तो यह है कि चीन ने बलोचों की रोजी-रोटी छीन ली, उन्हें भूखा मरने के लिए छोड़ दिया। इसे भी समझते हैं। दरअसल, करीब 60 अरब डॉलर का चाइना पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) बलूचिस्तान के नागरिकों की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह है। इसकी ओट में पाकिस्तानी फौज ने जबरिया बलोचों से उनकी जमीन छीन ली।

फिर धमाके से दहला अफगानिस्तान:आंतकियों ने मजार-ए-शरीफ में मिनी बस को बनाया निशाना, विस्फोट में 9 लोगों की मौत; 13 घायल

अफगानिस्तान के मजार-ए-शरीफ इलाके में गुरुवार शाम हुए दो विस्फोट में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 घायल हो गए। टोलो न्यूज के मुताबिक, आतंकियों ने धमाके लिए मिनी बस को निशाना बनाया था। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस के प्रवक्ता मोहम्मद आसिफ वजीरी ने बताया कि हमलावर के निशाने पर शिया समुदाय के लोग थे। अभी तक किसी भी आतंकवादी गुट ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। हमारे दुश्मन लोगों के बीच

डर फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। मजार-ए-शरीफ को अफगानिस्तान के ट्रेड के लिहाज से अहम शहर माना जाता है। यह बाख प्रॉविंस की राजधानी है। शिया बहुल यह इलाका हमेशा आंतकियों के निशाने पर रहता है।

एक हफ्ते पहले भी शिया मस्जिद पर हुआ था हमला

एक हफ्ते पहले भी मजार-ए-शरीफ शहर की शिया मस्जिद फिदायीन हमला हुआ था। इसमें 20 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी, 66 लोग घायल थे। हाल के दिनों में तालिबान ने अफगानिस्तान के कई हिस्सों पर नियंत्रण खोया है। इनमें बाख प्रॉविंस भी शामिल है। यहां इस्लामिक स्टेट का कब्जा होता जा रहा है।

साहिब जिले के विस्फोट में गई थी 33 जाने

इसके अलावा चार दिन पहले भी कुंदुज प्रांत के इमाम साहिब जिले की मस्जिद में हुए विस्फोट में 33 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 43 अन्य घायल हुए थे। धमाके वक्त के ज्यादातर लोग मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए इकट्ठा हुए थे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी इस हमले की निंदा की थी।

पिछले साल अगस्त में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद आतंकी घटनाओं बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। ज्यादातर मामलों में आतंकियों के निशाने पर शिया बहुल इलाके ही रहते हैं। दूसरी तरफ देश में लगातार आर्थिक संकट भी गहराता जा रहा है।

दुनिया पर बढ़ता कोरोना का खतरा:24 घंटे में जर्मनी के सवा लाख लोग कोरोना संक्रमित, अमेरिका में 3 दिन में नए केस 28% बढ़े

कोरोना के नए मामले अब भी दुनिया के कुछ देशों में चिंता का सबब बने हुए हैं। जर्मनी में एक दिन में दुनिया भर में सबसे ज्यादा नए केस सामने आ रहे हैं। जर्मनी में गुरुवार को 1.24 लाख नए केस आए। जर्मनी में 25 अप्रैल को 86,980 नए केस आए थे।

उधर, अमेरिका में भी 25 अप्रैल को 45,091 नए केस आए, जबकि 28 अप्रैल को यहां 57,985 केस आए। इस लिहाज से 28% की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति के चिकित्सा सलाहकार डॉ. एंथनी फाउची ने बुधवार को कहा कि अमेरिका से महामारी अभी गई नहीं है।

दुनिया ने महामारी की अनदेखी की तो घातक होगा

वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाईजेशन (WHO) के प्रमुख डॉ. टेड्रोस गेब्रेयासस ने फिर चेताया है कि कोरोना की अनदेखी करना दुनिया के लिए घातक होगा। गेब्रेयासस का बयान ऐसे वक्त पर आया है, जब बुधवार को दुनिया भर में कोरोना काल के दौरान एक दिन में सबसे कम 15,668 मौतें दर्ज की गई थीं।

बीजिंग में स्कूल बंद, शादी और अंतिम संस्कार पर लगी रोक

सवा दो करोड़ की आबादी वाले चीन के बीजिंग में सभी स्कूल बंद कर शादी और अंतिम संस्कार पर रोक लगाई है। बीजिंग में दो करोड़ लोगों की कोरोना जांच का अभियान छेड़ा गया है। चीन के शंघाई में गुरुवार को 10 हजार नए केस आए। उधर, एशिया के एक दिन में सबसे 57 हजार से ज्या केस द. कोरिया में आए हैं।

नई दिल्ली में कोरोना के 5,250 एक्टिव मामले

नई दिल्ली में गुरुवार को 1,490 नए मरीज सामने आए। दिल्ली में अब कुल एक्टिव केस 5,250 हो गए हैं। इनमें से केवल 124 मरीजों को ही अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा है। दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में कोरोना के मरीजों के लिए 9,379 बेड की उपलब्धता है। नई दिल्ली में गुरुवार को दो मौतें भी दर्ज की गईं।

देश में फिलहाल कोरोना के 16,980 एक्टिव मामले हैं। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 3,303 नए मामले सामने आए। बुधवार को कोरोना के 2,937 मामले दर्ज किए गए थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 39 मौतें हुई, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,23,693 हो गई है।

हॉलीवुड फिल्म 'द ग्रे मैन' से धनुष का फर्स्ट लुक आउट

साउथ के सुपरस्टार धनुष की अपकमिंग हॉलीवुड फिल्म 'द ग्रे मैन' से उनका फर्स्ट लुक सामने आ गया है। धनुष ने खुद सोशल मीडिया पर फिल्म से अपना फर्स्ट लुक फैंस के साथ शेयर किया है। इसके साथ ही पोस्ट में उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट की जानकारी भी दी है। 38 साल के धनुष ने फोटो शेयर कर लिखा, ''द ग्रे मैन' 22 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।' इस फोटो में धनुष को एक्शन मोड में देखा जा सकता है। उनका यह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है। नेटफ्लिक्स ने भी फिल्म से धनुष के फर्स्ट लुक को शेयर किया है और कैप्शन में लिखा,'द ग्रे मैन' से धनुष का फर्स्ट लुक। और यह है वेरा मारी वेरा मारी।' धनुष के इस फोटो पर कई फैंस कमेंट कर कह रहे हैं कि यह भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का क्षण है। नेटफ्लिक्स ने एक दूसरी पोस्ट में फिल्म के अन्य स्टार्स के भी फिल्म से फर्स्ट लुक जारी किए हैं। 'एवेंजर्स एंडगेम' के डायरेक्टर रूसो ब्रदर्स (एंथोनी और जो रूसो) के डायरेक्शन में बनी स्पाई थ्रिलर 'द ग्रे मैन' में धनुष 'कैप्टन अमेरिका' के नाम से मशहूर क्रिस इवांस के साथ एक्शन में नजर आएंगे। क्रिस इवांस-धनुष के अलावा रयान गोस्लिंग, एना डे, जेसिका हेनविक, वैगनर मौरा, रेगे-जीन पेज और बिली बॉब थॉर्नटन भी लीड रोल में नजर आएंगे।

दीपिका पादुकोण बनी 75वें 'फेस्टिवल डी कान्स' की जूरी मेंबर

इस साल होने जा रहे 75वें 'कान्स फिल्म फेस्टिवल' ने 26 अप्रैल को अपने जूरी मेंबर्स की अनाउंसमेंट कर दी है। फिल्म फेस्टिवल के जूरी पैनल में बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का नाम भी शामिल है। वहीं फ्रांस के एक्टर विंसेट लिंडन को जूरी का प्रेसिडेंट बनाया गया है। कान्स फिल्म फेस्टिवल के जूरी पैनल में शामिल होने की जानकारी खुद दीपिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर कर दी है। जिसमें दीपिका के अलावा 8 और जूरी मेंबर्स नजर आ रहे हैं। स्टोरी में 'द जूरी ऑफ द 75th डी कान्स फिल्म फेस्टिवल अनवेल्ड' लिखा हुआ नजर आ रहा है।

दिशा ने दिखाया ऐसा रूप, कि लोग हो गए घायल

-सोशल मीडिया पर दिशा ने शेयर की सुंदर तस्वीरें

टीवी एक्ट्रेस दिशा परमार ने अपने सोशल मीडिया पर फ्लोरल प्रिंट वाले ब्लू कलर के सूट में अपनी तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अपनी किलर स्माइल से हर किसी को घायल करती दिखाई दे रही हैं। समर फैशन के लिए हसीना का यह सूट एकदम परफेक्ट लग रहा था, जिसे आप अपने ऑफिस के लिए आराम से कैरी कर सकती हैं। इस लुक को मिनिमल रखते हुए हसीना ने तारीफ करने पर मजूबर कर दिया है।

दिशा ने जिस कुर्ता सेट को पहना हुआ था, उस पर वाइट कलर के फ्लोरल पैटर्न्स नजर आ रहे थे। उनकी कुर्ती में राउंड नेकलाइन के साथ थ्री-फोर्थ स्लीव्स दी गई थी। इस फज-फ्री आउटफिट में अदाकारा का कम्फर्ट साफ नजर आ रहा था। वहीं उन्होंने इस कुर्ते के साथ मैचिंग प्रिंटेड पैंट्स और दुपट्टा कैरी किया था। इस ट्रेडिशनल लुक को कम्पलीट करने के लिए दिशा ने लाइट जूलरी पहनी थी। हसीना ने गले में मंगलसूत्र, मांग में सिंदूर और हाथों में गोल्ड कड़े कैरी किए थे। वहीं मेकअप के लिए नैचुरल टोन फाउंडेशन, ब्लश्ड चीक्स, मॉव लिप्स कोहल्ड आईज के साथ बालों को सेंटर पार्ट करते हुए स्ट्रेट में खुला छोड़ा था। दिशा इस लुक में इतनी प्यारी लग रही थीं कि उनके पति राहुल वैद्य भी खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने पत्नी के इस पोस्ट पर हार्ट व... इमोजी से लाइक किया था।

वहीं फैंस भी उनके इस लुक की जमकर तारीफ करते दिखाई दिए। इससे पहले दिशा इस वाइट कलर के सूट सेट में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने मेकअप को बहुत ही लाइट रखा था। एथनिक कपड़ों में दिशा का कोई जवाब नहीं है और इसमें उनकी सुंदरता निखरकर सामने आती है। उन्होंने जिस कुर्ती को कैरी किया था, उस पर थ्रेड एंब्रॉइडरी नजर आ रही थी। वहीं जरी दुपट्टा उनके लुक को कम्पलीट करता दिखाई दे रहा था। फेस पर ब्लश पिंक लिप्स, हाईलाइटेड चीक्स, बेबी पिंक आई-शैडो के साथ बालों को हल्के कर्ल्स में ओपन रखा था। बता दें कि दिशा परमार उन हसीनाओं में से एक हैं, जिनका एलिगेंट फैशन हर किसी का दिल जीत लेता है।

ऐसा नहीं है कि यह अदाकारा हॉट कपड़ों को वेअर नहीं करती है, लेकिन इंडियन अवतार में उनका कोई मुकाबला नहीं है। उनका स्टाइलिंग सेंस ऐसा है, जिसमें उनकी सादगी झलकती है और वही उनके लुक में चार चांद लगाने का काम करती है। इस हसीन बाला को बखूबी पता है कि सूट हो या साड़ी हो, उसे किस तरह से कैरी करना है और यही कारण है कि उनके पास ट्रेडिशनल कपड़ों का इतना बढ़िया कलेक्शन है, जिससे महिलाएं काफी आइडिया ले सकती हैं। ऐसा ही एक लुक दिशा ने रिसेन्टली भी शेयर किया है, जिसमें उनका एलिगेंस देखते ही बन रहा है। वह इतनी खूबसूरत लग रही थीं कि पति राहुल वैद्य को भी रिएक्ट करना पड़ा।

कपूर फैमिली जैसा स्टारडम चाहते हैं चिरंजीवी

चिरंजीवी ने हाल ही में अपनी अपकमिंग तेलुगु फिल्म 'आचार्य' के प्रमोशन के दौरान एक इच्छा जाहिर की है। एक्टर ने कहा कि उनकी फैमिली को साउथ के कपूर के तौर पर जानी जाए। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि वो बॉलीवुड में कपूर फैमिली की पॉपुलेरिटी से काफी प्रभावित हैं। चिरंजीवी ने बात करते हुए खुलासा किया कि वह चाहते हैं कि उनकी फैमिली, साउथ के कपूर परिवार के तौर पर जानी जाए। एक्टर ने कहा, 'हिंदी सिनेमा में कपूर परिवार का बहुत क्रेज है। साउथ सिनेमा में भी मैं अपनी फैमिली के लिए ऐसा ही कुछ चाहता हूं। मैं ये देखकर बहुत खुश हूं कि कैसे अल्लू अर्जुन और पवन कल्याण ने साउथ सिनेमा में अपना नाम बनाया है।' चिरंजीवी ने हाल ही में एक इंसिडेंट को याद करते हुए बताया था कि उनको अवॉर्ड सेरेमनी में इनवाइट किया गया था। जहां उनकी फिल्म 'रूद्रवीनी' को प्रतिष्ठित 'नरगिस दत्त अवॉर्ड' से नवाजा गया था। अवॉर्ड सेरेमनी से एक दिन पहले सेलिब्रिटिज के लिए 'हाई टी' पार्टी रखी गई थी। जब एक्टर पार्टी में जा रहे थे तो उन्होंने देखा कि एक वॉल पर भारतीय सिनेमा के इतिहास को बताया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत बेइज्जती महसूस हुई क्योंकि दीवार पर बहुत कम साउथ इंडियन एक्टर्स का नाम था। चिरंजीवी की फिल्म आचार्य के प्री-रिलीज इवेंट में उन्होंने एस एस राजामौली को बाहुबली जैसी फिल्में बनाने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि, 'बाहुबली ने हिंदी और रीजनल सिनेमा के बीच के अंतर को खत्म किया और ये प्रूव किया कि हम सभी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का ही हिस्सा हैं। इन फिल्मों ने तेलुगु ऑडियंस को प्राउड फील कराया है। 'बाहुबली' और 'आरआरआर' जैसी फिल्में देने कि लिए एस एस राजामौली को धन्यवाद।'

कंगना रनौट के 'लॉक अप' में पूनम पांडे ने दिखाया बोल्ड अंदाज, यार्ड एरिया में लगीं नहाने

कंगना रनौट का रियलिटी शो 'लॉक अप' अपने फिनाले की ओर बढ़ रहा है। इस शो में हर दिन नया ड्रामा देखने को मिल रहा है। वहीं इस शो में एक बार फिर पूनम पांडे का बोल्ड अंदाज देखने को मिला। पूनम पांडे ने यार्ड एरिया में ओपनली नहाने का फैसला किया। ओपनली नहाने का आइडिया शिवम शर्मा का था। वो पहले पानी से भरी बाल्टी लेकर यार्ड एरिया में ट्राउजर पहनकर खुले में नहाने लगे। शिवम को ओपनली नहाता देखकर पूनम ने भी वहीं यार्ड एरिया में नहाने का फैसला किया। पूनम ने अपना प्लान सायशा और पायल को बताया और कहा कि वो ऑडियंस के लिए कर रही हैं। इसके बाद सायशा और प्रिंस जेल के अंदर जाते हैं और मुनव्वर और बाकी कंटेस्टेंट्स को बताते हैं कि पूनम यार्ड एरिया में ओपनली नहाने की प्लानिंग कर रही है। प्रिंस कहते हैं, इसलिए मैं बाहर नहीं जा रहा हूं। मुनव्वर कहते हैं, मैं भी नहीं जा रहा हूं, क्योंकि मैं रोजे रख रहा हूं। इसके बाद पूनम के बारे में बात करते हुए मुनव्वर कहते हैं, उसके जाने के चांस बढ़ गए अब, क्योंकि मेकर्स को जो चाहिए था, वो उन्हें मिल गया। अब पूनम आप जा सकती हैं, क्योंकि हमें जो चाहिए था वो मिल गया। इसकपर प्रिस नरूला कहते हैं कि ऐसे नहीं होगा। हालांकि, मेकर्स ने पूनम के यार्ड एरिया में नहाने की फुटेज को ऑन एयर नहीं किया है।

ईशा गुप्ता ने टाइगर श्रॉफ के साथ शेयर किया वीडियो

टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'हीरोपंती 2' के लिए फैंस से लेकर सेलिब्रिटिज तक सब काफी एक्साइटेड हैं। हाल ही में टाइगर की फिल्म का नया गाना 'विसल बजा 2.0' रिलीज हुआ था। अब बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने अपने इंस्टाग्राम पर टाइगर के साथ वीडियो शेयर की है। वीडियो में दोनों डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। ईशा ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'ये हीरोपंती 2 के लिए।' वीडियो में टाइगर ब्लू डेनिम के साथ पर्पल टी शर्ट पहने नजर आ रहे हैं। वहीं ईशा गुप्ता ब्राउन कलर की ड्रेस पहने दिख रही हैं। अहमद खान के निर्देशन में बनी ये फिल्म इस हफ्ते 29 अप्रैल को रिलीज होगी।

ऑफलाइन लर्निंग और हाईब्रिड फॉर्मेट में परीक्षा की शुरूआत

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

छात्र ऑफलाइन मोड में संस्थानों में भाग ले रहे हैं और सब कुछ सामान्य दिखने लगा है। तकनीकी शिक्षा और वास्तुकला, इंजीनियरिंग, फार्मेसी, होटल प्रबंधन और प्रबंधन संस्थानों के कार्यक्रमों से जुड़े छात्र, शिक्षक और संस्थान इसके लिए खुश हैं।

ऑफ़लाइन सत्रों ने छात्रों को अपने आकाओं के साथ सीधे बातचीत करने का अवसर देकर ऑनलाइन पाठ्यक्रम के अंतराल को दूर करने में मदद की है। संस्थान में हाल ही में पूरी हुई ऑफलाइन जूरी में मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से लाभ स्पष्ट है। छात्रों ने 3डी मॉडल द्वारा समर्थित दृश्यों के साथ बड़े पैनल में चित्र प्रस्तुत किए। जूरी के सदस्यों ने आपस में बातचीत की और विभिन्न संस्थानों में मूल्यांकन किए गए कार्यों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। बातचीत के दौरान प्राप्त संयुक्त विचारों ने छात्रों को आत्मविश्वास हासिल करने में काफी मदद की है। छात्रों ने इस अवसर पर संतुष्टि की भावना व्यक्त की कि ऑनलाइन मोड की तुलना में एक ऑफ़लाइन आमने-सामने बेहतर हैं।

हालांकि अंतर यह था कि छात्रों ने प्रस्तुति के हाइब्रिड तरीके के साथ प्रयोग किया जिसमें बड़ी चादरों की पारंपरिक संरचना, इमारतों का भौतिक मॉडल, स्केच दृश्य, 3 डी वॉकथ्रू के साथ-साथ अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अत्याधुनिक V.R. तकनीक का उपयोग शामिल था। परीक्षा से सीखने का अनुभव और ऑफ़लाइन पाठ्यक्रम की वापसी पारंपरिक और समकालीन शैक्षणिक प्रथाओं का सर्वोत्तम मिश्रण होगा।

उद्योग कनेक्ट, शिक्षाविदों के साथ विशेषज्ञों की भागीदारी। औद्योगिक दौरे, नमूना मॉडलिंग, उत्पाद नवाचार तकनीकी कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं हैं, ऑफ़लाइन मोड की शुरुआत जिसमें हाइब्रिड होने के लाभ हैं, कुछ ऐसा है जो लंबे समय तक रहने वाला है और शैक्षिक क्षेत्र में सबसे बड़ा अंतर और नवाचार मील का पत्थर साबित होता है।

गौ हत्या बंध हो वो ही सुखी भारत के निर्माण का शॉर्टकट हैं : गोस्वामी द्रुमिलकुमार जी महाराज

- महाप्रभु जी के ५४५ वे प्राकट्य महोत्सव में गाय को राष्ट्रिय पशु जाहिर करने की मांग
- धार्मिक, पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक, मानसिक, राष्ट्रिय सहित सब दृष्टिकोण से गौ सेवा में सबका हित है
- विभिन्न राजकीय पक्ष अपनी विचारधारा बाजू में रखकर गाय को राष्ट्रिय पशु जाहीर करने का कानून भारत में लाए
- सभी गौ भक्तो से प्रार्थना की वे गाय को राष्ट्रिय पशु जाहीर करने के लिए भारत के आदरणीय लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी जी को किसी भी माध्यम से संदेश भेजे

मुंबई : आप आप के परिवार को, आपके देश को सुखी देखना चाहते हैं तो इसका शॉर्टकट है भारत में गौ हत्या बंध हो और इसका सरल तथा तेज उपाय तभी शक्य है जब गौ माता को राष्ट्रिय पशु जाहीर किया जाय। गौ हत्या विरोधी कानून बनाया जाय ऐसा प्रसिद्ध वैष्णवाचार्य गोस्वामी श्री द्रुमिलकुमार जी महोदयश्री ने श्रीमद् वल्लभाचार्यजी महाप्रभूजी के ५४५ वे प्राकट्य महोत्सव महोत्सव के अंतर्गत महासभा में कहा । इस महासभा के पूर्व भव्य शोभायात्रा निकाली गई थी। पूज्य महाराजश्री द्रुमिलकुमारजी ने इस प्रस्ताव को प्रस्तुत करते हुए कहा की भारत श्री राम की भूमि, श्री कृष्ण की भूमि, अहिंसा की भूमि है तब भारत में गौ हत्या किस तरह संभव है ? श्री कृष्ण को सब से प्रिय गाय है। गौ राजी तो श्री कृष्ण राजी। गौ सेवा में सब का हित है। धार्मिक, पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक, मानसिक, राष्ट्रिय सहित सब दृष्टिकोण से गौ सेवा में सब का हित है। गाय पर हाथ घुमाने से उसके वाइब्रेशन की ताकत से आपका मानसिक तनाव दूर होता है। गौ के दूध में, मूत्र में, गोबर में सकारात्मक शक्ति है। गोस्वामी श्री द्रुमिलकुमार महाराज ने इस अवसर पर कहा की विभिन्न राजकीय पक्ष अपनी अपनी विचारधारा, अपनी निति, अपनी व्युह रचना को बाजू में रखकर गाय को राष्ट्रिय पशु जाहीर करने का कानून भारत में लाए, जिससे तुरंत गौ हत्या बंध हो सके। भारत को सुखी करने का यही एकमात्र शॉर्टकट हैं। महाराजश्री ने गौ भक्तो को भी अपील करते हुए कहा था की गाय को राष्ट्रिय पशु जाहीर करने के लिए सब भारतीय पोस्टकार्ड, ईमेल, ट्विटर, व्हाट्सएप सहीत किसी भी माध्यम से भारत के आदरणीय लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी को संदेश भेजे। अपने प्रवचन में गोस्वामी श्री द्रुमिलकुमार महाराज श्री ने महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के प्राकट्य महोत्सव के दौरान गुरु महात्मय तथा प्रभु के प्रति प्रेम के स्वरूप पर अपनी रसदायक शैली में श्रोताओं को मार्गदर्शन देकर भावविभोर किया। इस अवसर पर मुंबई के अग्रणी भक्तगण तथा मीरारोड भायंदर के प्रसिद्ध राजकीय प्रतिभा गीता बेन जैन, हेमा बेन बिरानी हाजिर थे। प्रारंभ में नयना बेन वसाणी ने अपने प्रवचन में आयोजन की भूमिका प्रस्तुत की थी।

जीतूभाई सोमपुरा
मुंबई

भाईचारे की मिसाल बने सुहेल खंडवानी व दिलशाद खान

कार्यक्रम में मौजूद सभी ने अल्लाह तबारक व ताला के बारगाह में हाथ उठाकर मुल्क की अमन चैन के लिए मांगी दुआएं

मुंबई। माहिम दरगाह/हाजी अली दरगाह ट्रस्ट के ट्रस्टी सुहेल खंडवानी ने पूरे महाराष्ट्र से काफी लोगों को माहिम में एक साथ जमा किया। इस दौरान सुहेल खंडवानी ने कहा कि पवित्र रमजान एक प्रशिक्षण का महीना है, जो रोजेदारों को बुराइयों से बचने की सीख देता है। उन्होंने कहा कि रमजान समाज में भाईचारे और समरसता की सीख देता है। साथ ही आपस में भाईचारे की बात करते हुये देश में अमन शांती की सभी से अपील की। सुहेल खंडवानी ने कार्यक्रम में मौजूद सभी सांसद, विधायक व सम्मानित शख्सियतों से अपील करते हुये कहा कि आप सब अपने-अपने क्षेत्र में अमन शांती बनाये रखें, कुछ असामाजिक तत्व हैं जो आपस में सभी को लड़ाकर भाईचारा खत्म कराना चाहते हैं लेकिन हम ऐसे लोगों को कभी कामयाब नहीं होने देंगे। इस दौरान माहिम में बड़ी संख्या में रोजेदारों ने हिस्सा लिया और सभी रोजेदारों ने अल्लाह तबारक व ताला के बारगाह में हाथ उठाकर मुल्क की अमन चैन के लिए दुआएं मांगी। इस कार्यक्रम में हिंदु, मुस्लिम, सीख, ईसाई सभी समाज के बड़े-बुजर्ग व नौजवानों ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों, समुदाय के धार्मिक नेताओं, मुस्लिम समुदाय के सदस्यों के साथ कई सम्मानित शख्सियत शामिल हुए, जिन्होंने देश की विकास और सभी समुदायों की समृद्धि के लिए राष्ट्रीय पहल में सांप्रदायिक सद्भाव की प्रासंगिकता पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य के कैबिनेट मंत्री व मुंबई शहर के पालकमंत्री असलम शेख, मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप, विधायक वारिस पठान, विधायक अमीन पटेल, विधायक जीशान सिद्दीकी, विधायक रईस शेख, जगदीश सिंह छपरा, नगरसेवक मोसिन भाई, नगरसेवक नजीर मुल्ला, दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान, सुरज सिंह ठाकुर, इमरान बाबू कुरैशी, खालिद बाबु कुरैशी, फारूख घीवाला, माहिम क्षेत्र के डीसीपी प्रणय अशोक, अर्शी मिर्जा, शाकिब माहिमी, आसिफ दादरकर, तनवीर मर्चेंट, सलीम मापखन, अरशद भाई, मोईन अजमेरी, डॉ. मुदस्सिर लांबे, बिजनेसमैन सुरेश कामा, मोहम्मद इब्राहिम शेख, फिरोज सामा, साजिद सुपारीवाला, जावेद पारिख, दाऊद खान सहित कई जाने माने लोग तशरीफ लाये थे। दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान ने बताया कि रमजान-उल-मुबारक का यह पाक व पवित्र महीना रहमतों व बरकतों से भरपूर है। जो शख्स रोजेदार को इफ्तार कराता है अल्लाह तबारक व ताला उस शख्स को रोजेदार के बराबर सवाब अता फरमाता है। इस प्रकार के कार्यक्रम से आपसी भाईचारा भी बढ़ता है।

जी बाइस्कोप बना रहा है जी माईस्कोप छू के माई के चरण

मातृ दिवस पर अनोखी पहल #माईकेनाम करके माई को समर्पण

मुंबई, माँ के साथ हमारा बंधन हमारे लिए बहुत महत्व रखता है। उनके साथ जुड़ी हमारी भावनाएं न सिर्फ मज़बूत हैं बल्कि बहुत ही गहरी हैं। भोजपुरी क्षेत्रों में माँ के प्रति प्यार इसकी संस्कृति और धार्मिक प्रथाओं तक विस्तृत है जहाँ देवी माँ छठी मईया की पूजा की बहुत महत्ता है। भोजपुरी मूवीज़ में माँ-बेटा या माँ-बेटी के रिश्ते की थीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जैसे मूवीज़ हमें दुनिया दिखाती हैं वैसे ही हमारी माँ हमें दुनिया दिखाती है जो इसे सार्थक बनाती है। वो ही है जो हम सबके लिए खाना बनाती है पर घर में ख़ुद सबके बाद खाती है। एक वो ही है जो कभी भी छुट्टी नहीं लेती। एक वो ही है जो ख़ुद व्रत रखती है और त्यौहारों के दौरान हम सबके लिए तरह-तरह के पकवान बनाती है। वो हमारे लिए सबकुछ करती है। फिर भी, क्या हमनें कभी गौर किया है कि हम उनके लिए क्या करते हैं? ज़ी बाइस्कोप ने उनके लिए कुछ करने का निश्चय किया जो हमारी संस्कृति एवं भावनाओं के शिखर पर है - माँ!

हमारे जीवन में माँ के अथक योगदान का आभार प्रकट करने के लिए ज़ी बाइस्कोप इस मातृ दिवस को और बड़ा बना रहा है। हमारा चैनल उसके लिए ये दिन समर्पित कर रहा है जिसने हमारे लिए अपने सपनों को भुला दिया, जो हमसे बिना किसी उम्मीद के हमें निःस्वार्थ भाव से प्यार करती है, और जो जीवन की हर चुनौती को सिर्फ हमारी सलामती के लिए हँसते-हँसते झेल जाती है। हमारा चैनल मातृ दिवस #माईकेनाम करने के लिए सबको आमंत्रित करता है। चैनल अपनी इस पहल को तीन माध्यम से आगे बढ़ाने वाला है: चैनल #माईकेनाम, माई के दिन #माईकेनाम, एवं माई के मूवी #माईकेनाम

श्रेणी में पहली बार #माईकेनाम पहल करने के साथ ज़ी बाइस्कोप मातृ दिवस पर अपना चैनल #माईकेनाम समर्पित कर एक ऐतिहासिक मिसाल कायम करने जा रहा है। ज़ी बाइस्कोप बना रहा है ज़ी माईस्कोप - जो माँ को प्यार, सम्मान, और गरिमा के आसन पर स्थापित करने हेतु एक अभिव्यक्ति है। मातृ दिवस का अवसर केवल प्रतीकवाद या ट्रेंड-जैकिंग तक सीमित नहीं है। चैनल का उद्देश्य है कि वो माँ के योगदान को प्रभावी तरीक़े से आभार व्यक्त करे और दर्शकों और अन्य साझेदारों को भी इसे आगे ले जाने के लिए प्रेरित करे। माँ हमेशा अपना कर्तव्य निभाती है। चाहे कोई भी अवसर हो, वो हमेशा अपने बच्चों और परिवार के आनंद के लिए चुपचाप काम करती रहती है।

अपने बच्चों और परिवार के लिए माँ के निःस्वार्थ योगदान का कर्ज़ हम भले ही नहीं चुका सकते, हम उनके प्यार और उनकी कोशिशों के लिए कम से कम एक दिन तो उन्हें छुट्टी दे ही सकते हैं जिसका वो अधिकार रखती हैं। ज़ी बाइस्कोप दर्शकों को माई के दिन #माईकेनाम करने के लिए आमंत्रित करता है। दर्शक, हमें ये बताते हुए कि मातृ दिवस के दिन अपनी माँ को छुट्टी देने के लिए वो ऐसा क्या कर रहे हैं, वो दिखाते हुए अपना वीडियो हमसे साझा कर सकते हैं। टॉप 3 माँ-बेटा/माँ-बेटी की जोड़ी को मुंबई आमंत्रित कर माँ को दिन का मुख्य किरदार बनाकर उन्हें एक अमिट अनुभव का एहसास कराया जाएगा। उन्हें एक ग्रूमिंग सेशन, लाजवाब खान-पान का अनुभव, ज़ी बाइस्कोप चैनल पर आने और सपनों की नगरी में घूमने का अनुभव कराया जाएगा। आज तक माँ हमेशा अपने बच्चों को सुख देती रही है, लेकिन इस बार उसके बच्चे उन्हें छुट्टी देकर अपनी माँ के लिए वो बहुमूल्य अनुभव अर्जित करेंगे।

अगर आपको लगता है कि ये यहाँ ख़त्म हो गया तो आप ग़लत हैं। ज़ी बाइस्कोप की अगली पहल श्रेणी में पहली बार होगी - माई के मूवी #माईकेनाम। आज तक, चैनल अपने दर्शकों को समझते हुए उनके लिए मूवी फ़ेस्टिवल तैयार करता रहा। मगर इस बार, चैनल अपने दर्शकों को ख़ुद मूवी फेस्टिवल तैयार करने के लिए आमंत्रित कर रहा है ताकि मातृ दिवस पर उनकी माँ अपनी पसंद की मूवी का आनंद ले सकें। चैनल माँ पर आधारित मूवीज़ की लिस्ट अपने दर्शकों से साझा करेगा जिसमें दर्शक अपनी माँ की पसंद की मूवी को वोट कर सकें। सबसे ज़्यादा वोट पाने वाली टॉप 3 मूवीज़ मातृ दिवस फ़ेस्टिवल के दिन दिखाई जायेंगी। ये माँओं के लिए उनके बेटे/बेटियों द्वारा तैयार किया गया कंटेंट होगा।

सम्राट घोष, चीफ़ क्लस्टर ऑफ़िसर, ईस्ट, ज़ील के अनुसार, "इस मातृ दिवस ज़ी बाइस्कोप इस अवसर के इर्द-गिर्द बुने विवरण को बदलते हुए माँ के योगदान को सलाम करता है। हम सबने हमेशा देखा है कि माँ कैसे अपने परिवार की सलामती के लिए अपने चेहरे पर मुस्कान लिए कड़ी मेहनत करती रहती है। ज़ी बाइस्कोप एक प्रभावी तरीक़े से उनके लिए कुछ करने की सोच को बढ़ावा दे रहा है। चैनल की पूर्व पहलों की सफ़लता से ये ज़ाहिर है कि भावनाओं से जुड़ी ऐसी कोशिशें युवा दर्शकों के बीच एक बड़ा असर छोड़ती हैं जिससे चैनल की अहमियत और इसके साथ दर्शकों का अपनापन बढ़ता है। ये चैनल की अग्रणी सोच और जो अपनी श्रेणी में कभी नहीं हुआ उस पहल को करने के प्रतिबद्धता का एक और सबूत है। आने वाले महीनों में चैनल की तरफ से ऐसी और पहल देखने के लिए दर्शक तैयार रहें।"

अमरप्रीत सिंह सैनी, चीफ़ चैनल ऑफ़िसर, भोजपुरी क्लस्टर, ज़ील का कहना है, "एक माँ के लिए, अपने बच्चों द्वारा भौतिक सुखों से ज़्यादा उनकी ख़ुशी के लिए कुछ करना और उनके लिए एक बहुमूल्य अनुभव अर्जित करना सुखदायक होता है। ये एक ऐसे आभार की अनुभूति है जो उसके लिए हज़ारों शब्दों से भी अधिक है। ज़ी बाइस्कोप में, हम हमेशा अपने दर्शकों की ज़िंदगी मनोरंजन के माध्यम से और ज़्यादा बहुमूल्य बनाना चाहते हैं। #माईकेनाम पहल चैनल की प्रतिबद्धता का प्रमाण है जो अपने दर्शकों को ऐसे प्लेटफ़ॉर्म देता है जहाँ वो अपने मूल सांस्कृतिक भावनाओं का आनंद लेते हुए अपने जीवन में एक सकरात्मक प्रभाव ला सकते हैं। हम सभी माँओं को मातृ दिवस की शुभकामना देते हैं।"

भोजपुरी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में आज तक जो नहीं हुआ वो करते हुए, ज़ी बाइस्कोप, जो अपने दर्शकों की पसंद को जानता-समझता है, अपने दर्शकों को बच्चों के प्रति माँ के प्यार और प्रयास का मान करते हुए उनके बीच सही संवाद पहुंचाकर उन्हें प्रेरित करना चाहता है।

हमारा चैनल, सर्वश्रेष्ठ भोजपुरी एंटरटेनमेंट चैनल बन कर आगे बढ़ने और नए मिसाल कायम कर बनने के लिए उत्साहित है। ज़ी बाइस्कोप एयरटेल (चैनल नं. 663), टाटा स्काई (चैनल नं. 1120), डेन बिहार (चैनल नं. 840), डेन झारखंड (चैनल नं. 839), डीडी फ़्री डिश (चैनल नं. 31), डी2एच (चैनल नं. 2073), डिश टीवी (चैनल नं. 1555), सिटी केबल (चैनल नं. 214) और दर्श डिजिटल (चैनल नं. 189) पर उपलब्ध है। अन्य सभी मुख्य केबल प्लेटफार्म पर ये जल्द उपलब्ध होगा।

कभी उत्तर भारतीयों के खिलाफ नफरत की राजनीति करने वाले राज ठाकरे को अचानक क्यों प्यारा लगने लगा है यूपी?

महाराष्ट्र खासकर मुंबई में कभी उत्तर भारतीयों के साथ नफरत की राजनीति करके महाराष्ट्र में अपनी सत्ता की जड़ों को जमाने वाले राज ठाकरे को उत्तर प्रदेश अब प्यारा लगने लगा है। राज ठाकरे की राजनीति की "लाइन लेंथ" के लिहाज से उन्हें अब न सिर्फ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शासन बेहतर लग रहा है, बल्कि योगीराज की तुलना वह पूरे महाराष्ट्र में कर रहे हैं। और तो और अगले कुछ दिनों में महाराष्ट्र में होने वाले अलग-अलग चुनावों में अपनी जड़ों को मजबूत करने के लिए अब महाराष्ट्र के नेता उत्तर प्रदेश की मिट्टी से अपने प्रदेश की राजनीति में खाद-पानी देने की तैयारी कर रहे है। इस कड़ी में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे अयोध्या पहुंच रहे हैं। जबकि उसके कुछ दिनों बाद राज ठाकरे अयोध्या की मिट्टी से तिलक कर महाराष्ट्र में चुनावी बिगुल बजाने की रणनीति बना चुके हैं। उत्तर प्रदेश की सियासी जमीन से मिल रहा खाद-पानी! महाराष्ट्र में होने वाले नगर निगम चुनाव और उसके बाद लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में राजनीतिक जमीन की उर्वरा करने के लिए खाद-पानी उत्तर प्रदेश की जमीन से ही तैयार किया जा रहा है। इसके लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे और सरकार में कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे रामलला के दर्शन करने के लिए मई में अयोध्या पहुंच रहे हैं। महाराष्ट्र के राजनीतिक मामलों के जानकार और पूर्व मंत्री जेएस राव देशमुख कहते हैं कि शिवसेना के नेता आज नहीं लंबे अरसे से अयोध्या में रामलला के दर्शन करने आते हैं। आदित्य ठाकरे के अयोध्या आने और रामलला के दर्शन करने को बिल्कुल राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। जगत राव कहते हैं लेकिन इस मामले पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता राज ठाकरे जरूर राजनीति कर रहे हैं। वे कहते हैं कि इस वक्त जिस तरीके से महाराष्ट्र में माहौल राज ठाकरे ने बनाया है वह पूरी तरीके से संविधान के खिलाफ है। उत्तर प्रदेश की राजनीति के मामलों के जानकार ओम प्रकाश मिश्रा कहते हैं कि उन्होंने बाला साहब ठाकरे से लेकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे तक को अयोध्या में आकर रामलला के दर्शन करके मत्था टेकते हुए देखा है। वह कहते हैं कि महाराष्ट्र में कट्टर हिंदुत्व की पार्टी शिवसेना आज ही नहीं बल्कि हमेशा से अयोध्या का आशीर्वाद लेकर ही राजनीति करती आई है। अब जब महाराष्ट्र में चुनाव होने हैं और राजनीतिक हालात बदले हुए हैं तो मौके की तलाश में राज ठाकरे अब अयोध्या से महाराष्ट्र की जमीन को राजनीतिक रूप से उर्वरा करने की तैयारी कर रहे हैं। वह कहते हैं कि जिस तरीके से महाराष्ट्र में राज ठाकरे ने मस्जिदों से लाउडस्पीकर को उतारने के लिए एक अलग तरीके का अभियान छेड़ा है, और उसी दौरान अयोध्या में रामलला के दर्शन करने की योजना बनाई है, वह राजनीति ही है। ऐसे में यह कहना कि अयोध्या में रामलला के दर्शन कर वापस जाना महाराष्ट्र के बड़े नेताओं का मकसद होगा, ऐसा बिल्कुल नहीं लगता है।

शिवसेना की 'मजबूरी' का फायदा उठाने की कोशिश

राजनीतिक विश्लेषक ओपी शुक्ला कहते हैं कि कट्टर हिंदुत्व वाली पार्टी शिवसेना का उत्थान महाराष्ट्र में उत्तर भारतीयों को निशाने पर लेने के साथ शुरू हुआ था। शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे से अलग होकर जब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का गठन कर राज ठाकरे ने अपनी राजनीति शुरुआत की तो उनके लिए भी प्रमुख राजनीतिक एजेंडे में उत्तर भारतीय ही निशाने पर रहे। महाराष्ट्र की राजनीति को करीब से समझने वाले हरीश वाड़वलकर कहते हैं कि कट्टर हिंदुत्व और उत्तर भारतीयों को निशाने पर रखकर ही शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने अपनी जड़ों को मजबूत किया था। उनका कहना है कि इस वक्त शिवसेना सरकार में है और जिस तरीके की कट्टर हिंदुत्व की उनकी राजनीतिक छवि है वे इससे थोड़ा सा दूर हैं। यही वजह है कि उसका पूरा फायदा उठाने के लिए बाला साहब ठाकरे के भतीजे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे बढ़-चढ़कर आगे आ रहे हैं। हरीश कहते हैं कि लेकिन इस बार राज ठाकरे जिस राज्य के लोगों को हमेशा निशाने पर ही रखते थे, इस बार वहां के मुख्यमंत्री का नाम लेकर और वहां की मिट्टी का तिलक लगाकर महाराष्ट्र की राजनीति में श्रीगणेश करने की तैयारी कर रहे हैं। वे कहते हैं कि यही वजह है न सिर्फ राज ठाकरे बल्कि शिवसेना अब उत्तर भारतीयों को निशाने पर लेने से बच रही है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।